E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 175 | प्रयागराज, गुरूवार 29 अक्टूबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

इजराइल चुनाव- नेतन्याहू गठबंधन रुझानों में आगे, लेकिन बहुमत नहीं,अरब पार्टियां किंगमेकर बन सकती हैं

तेल अवीव। इजराइल में संसदीय चुनाव के बाद वोटों की गिनती जारी है। अब तक 41.9इ मतों की गिनती पूरी हो चुकी है। इसमें नेतन्याहू गठबंधन को 57 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, गादी आइजनकोट के गठबंधन को 47 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं अरब पार्टियों को 16 सीटें मिलने का अनुमान है।इजराइली संसद में 120 सीटें हैं। बहुमत के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। वोटिंग खत्म होने के बाद 5 एग्जिट पोल के नतीजे आए हैं। 3 में आइजनकोट गठबंधन पीछे है। 2 एग्जिट पोल में दोनों गठबंधन को बराबर सीटें दी गई हैं। नेतन्याहू बहुमत के आंकड़े से 4 सीटें पीछेः-41.9फीसदी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले गठबंधन को 57 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, नेतन्याहू विरोधी गठबंधन को 47 सीटें मिली हैं। अरब पार्टियों वाले जॉइंट लिस्ट और राअम गठबंधन को मिलाकर 16 सीटें मिलती दिख रही हैं। ये शुरुआती नतीजे हैं। वोटों की गिनती आगे बढ़ने के साथ आंकड़े बदल सकते हैं। इजराइल की संसद में



कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी गठबंधन को कम से कम 61 सीटों की जरूरत होती है। इस हिसाब से नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत के आंकड़े से 4 सीटें पीछे है। पूर्व इजराइली राजदूत बोले- नेतन्याहू से हाथ मिलाया तो आइजनकोट को माफ नहीं करेंगे वोटर-इजराइल में पूर्व राजदूत एलन पिंकस का कहना है कि चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले गठबंधन को सरकार बनाने के लिए किसी ऐसे दल से समझौता करना पड़ सकता है, जिसके साथ जाना उसके लिए मुश्किल होगा। पिंकस न्यूयॉर्क में इजराइल के महावाणिज्यदूत के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने अल जजीरा से कहा कि विपक्ष के मतदाता नहीं चाहेंगे कि उनका गठबंधन नेतन्याहू के गठबंधन के साथ समझौता करे। उन्होंने कहा कि अगर गादी आइजनकोट नेतन्याहू के गठबंधन के साथ हाथ मिलाते हैं, तो मतदाता उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। पिंकस के मुताबिक, अगर दोनों पक्षों के बीच ऐसी सरकार बनती है, जिसमें प्रधानमंत्री का पद बारी-बारी से साझा किया जाए, तो इससे सरकार में लगातार खींचतान और कामकाज में बाधा पैदा होगी। जॉइंट लिस्ट गठबंधन को जानिएः- जॉइंट लिस्ट पार्टी को शुरुआती रुझानों में 11 सीटें मिलने का संकेत है। यह इजराइल की अरब आबादी के अधिकारों की बात करने वाला राजनीतिक गठबंधन है। यह तीन अलग-अलग पार्टियों का साझा चुनावी मोर्चा है। इसमें अरब नेताओं के साथ यहूदी नेता भी शामिल हैं।नेतन्याहू-आइजनकोट दोनों बहुमत नहीं जुटा पाए तो क्या होगाः-अगर नेतन्याहू और आइजनकोट, दोनों बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं और कोई भी गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं पहुंचता, तो इजराइल में दोबारा चुनाव कराने की नौबत आ सकती है। तब तक नेतन्याहू कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं। हालांकि, दोबारा चुनाव होना अभी तय नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चुनाव के बाद पार्टियां किसे समर्थन देती हैं, गठबंधन बनाने के लिए क्या समझौते होते हैं और कोई नेता संसद में बहुमत का समर्थन जुटा पाता है या नहीं।

पायलट मच्छर को यूएई के राष्ट्रपति ने गले लगाया,प्लेन को क्रैश कराने की कोशिश नाकाम की थी

अबू धाबी। यूएई ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर को मंगलवार को सबसे बड़े सम्मानों में से एक 'जायद2 ' से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छर को गले लगाया। फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छर ने 30 सितंबर को प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने मंगलवार को फ्लाइट के क्रू के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे। यूएई के नेताओं ने कैप्टन मच्छर और क्रू के सदस्यों की हिम्मत और जिम्मेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल हालात में भी क्रू ने यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखाः- 'कैप्टन स्मित मच्छर ने हिम्मत, जिम्मेदारी और इंसानी जान की परवाह करने



की मिसाल पेश की। हमें गर्व है कि वे हमारी टीम का हिस्सा हैं, हमारे देश की कहानी का हिस्सा हैं और यूएई की पहचान का हिस्सा हैं।' कैप्टन मच्छर जब चोटों का इलाज करा रहे थे, तब शेख हमदान उनसे मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कैप्टन की हिम्मत और लोगों की जान बचाने के प्रयासों की तारीफ की थी। को-पायलट ने कुल्हाड़ी से हमला किया थाः-30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड-1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इसी दौरान विमान के को-पायलट ने कॉकपिट में कैप्टन मच्छर पर हमला कर दिया। हमले में कैप्टन घायल हो गए। उन्होंने बताया कि को-पायलट ने उनके सिर पर कई वार किए।को-पायलट ने विमान को गिराने की कोशिश में कैप्टन पर कॉकपिट में ही मौजूद इमरजेंसी कुल्हाड़ी से हमला किया था। इस दौरान मच्छर ने विमान से हाईजैक का संकेत भी भेजा था। सऊदी में इमरजेंसी लैंडिंग हुईः- कैप्टन मच्छर ने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला। इसके बाद विमान में मौजूद यात्रियों और क्रू ने अंदर पहुंचकर हमलावर को काबू किया।

हमले के बीच विमान करीब 17 हजार फीट नीचे आ गया। इसके बाद विमान में मौजूद ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने रास्ता बदलकर सऊदी अरब के ताबुक शहर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। यहां सभी 180 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्मिच मच्छर बोले- पहले लगा विमान का हिस्सा सिर पर गिराः-कैप्टन मच्छर ने यूएई के सरकारी अखबार 'द नेशनल' को दिए इंटरव्यू में हमले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब पहली बार उनके सिर पर वार हुआ, तो उन्हें लगा कि विमान का कोई हिस्सा टूटकर उनके सिर पर गिर गया है।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारने वाले नेता भागे अमेरिका, बोल्सोनारो की पत्नी और दो बेटियां भी साथ

ब्राजीलिया। ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद दक्षिणपंथी नेता फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका रवाना हो गए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, फ्लावियो के एक सहयोगी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। सरकार ने उनका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने भी रॉयटर्स को बताया कि फ्लावियो अमेरिका आ रहे हैं। उनकी पत्नी और दो बेटियां भी साथ हैं। वे अमेरिका में राजनीतिक शरण मांग सकते हैं। फ्लावियो रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से हार गए थे। नतीजा काउंटिंग के दूसरे चरण में आया जिसमें फ्लावियो को 48फीसदी और लूला को 52फीसदी वोट मिले। पहले चरण में किसी को भी 50फीसदी वोट नहीं मिले थे। हार के बाद फ्लावियो ने नतीजों को स्वीकार नहीं किया था। पासपोर्ट जमा नहीं किया, पुलिस ने जांच शुरू कीः- फ्लावियो को सोमवार को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने 24 घंटे के भीतर



पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के मामलों में जांच चल रही है। पुलिस को आशंका थी कि वे जांच से बचने के लिए देश छोड़ सकते हैं।मंगलवार सुबह 11 बजे तक फ्लावियो ने पासपोर्ट जमा नहीं किए। पुलिस को उनके देश छोड़कर भागने का शक हुआ। इसके बाद उनकी तलाश शुरू कर दी गई। मंगलवार शाम तक पासपोर्ट जमा नहीं होने पर अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट रद्द कर दिए। अर्जेंटीना के रास्ते अमेरिका जाने की चर्चाः-फ्लावियो के अमेरिका जाने की खबरों के बीच यह भी कहा गया कि वे पहले अर्जेंटीना पहुंचे थे। अर्जेंटीना में उनके करीबी सहयोगी और दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की सरकार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील-अर्जेंटीना सीमा के पास इगुआजु एयरपोर्ट पर एक निजी विमान उतरा था। अधिकारियों ने विमान और उसके क्रू की जांच की, लेकिन उड़ान से जुड़े दस्तावेजों में बोल्सोनारो परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं मिला। अर्जेंटीना सरकार ने भी कहा कि फ्लावियो के देश में आने का कोई रिकॉर्ड नहीं है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

पाक के करीब जा रहे मालदीव राष्ट्रपति, विपक्ष ने चेताया,कहा- भारत को खतरा लगा तो नतीजा भुगतना पड़ेगा

इस्लामाबाद/माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पाकिस्तान से बढ़ते रिश्तों पर देश में विरोध शुरू हो गया है। मुइज्जू 20 से 22 अक्टूबर तक पाकिस्तान के दौरे पर थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, रक्षा और समुद्री सुरक्षा समेत 20 समझौते हुए। इसे लेकर पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने चेतावनी दी है कि अगर भारत को अपनी सुरक्षा पर खतरा लगा, तो मालदीव को इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति नशीद ने कहा- भारत की सुरक्षा से समझौता भारी पड़ेगाः- मालदीव के विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने 25 अक्टूबर को अड्डू सिटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुइज्जू के पाकिस्तान दौरे की आलोचना की। नशीद ने आरोप लगाया कि मुइज्जू ने भारत-पाकिस्तान के लंबे



समय से चले आ रहे तनाव को नजरअंदाज किया और मालदीव को दोनों देशों के विवाद के बीच ला खड़ा किया। न्यूज आउटलेट सन ऑनलाइन के मुताबिक उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में छोटे देशों, खासकर मालदीव के लिए खतरे ज्यादा होते हैं लेकिन राष्ट्रपति ने इन जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया। पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने भी दौरे की आलोचना की। शाहिद ने आरोप लगाया कि मुइज्जू फिर से भारत विरोधी अभियान शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने 2023 में भी इसी तरह की राजनीति की थी। मालदीव के राष्ट्रपति की 11 साल बाद पाकिस्तान यात्राः- मुइज्जू का यह दौरा 11 साल में किसी मालदीवी राष्ट्रपति की पहली पाकिस्तान यात्रा थी। दोनों देशों ने अगले दो साल में आपसी व्यापार को करीब 1.3 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 20 करोड़ डॉलर करने पर भी सहमति जताई है। इस दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जम्मू-कश्मीर और सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान का पक्ष रखा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अप्रैल 2025 में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी थी।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

तूफान अर्नब से आंध्रप्रदेश में तबाही, 3 की मौत,30 घर डैमेज, 714 गांवों में नुकसान,एमपी-यूपी में भी बारिश का अलर्ट

विशाखापट्टनम/भुवनेश्वर/हैदराबाद/चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3:30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200एमएम से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133एमएम बारिश होती है। एमपी-यूपी और बिहार समेत 9 राज्यों में अलर्टः- आंध्र प्रदेश और ओडिशाः भारी से बेहद भारी बारिश, तेज हवाएं और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ः 28-29 अक्टूबर को भारी बारिश, कुछ इलाकों में बेहद भारी बारिश की आशंका। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्रः पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में बारिश का अनुमान। कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।



झारखंड और बिहारः 28 से 30 अक्टूबर के बीच बारिश; बिहार में 29-30 अक्टूबर को कुछ जगहों पर भारी बारिश की आशंका। उत्तर प्रदेशः पूर्वी यूपी में 29-30 अक्टूबर को भारी से बेहद भारी बारिश हो सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान अर्नब के चलते एक शिप का रास्ता बदल गया। यह जहाज विशाखापट्टनम से सिंगापुर जा रहा था। एनडीआरएफ के डीआईजी एसएस सूदन ने बताया कि आंध्र प्रदेश में कल से ही बारिश हो रही है। विशाखापट्टनम में 300 मिमी से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई हैं। हमारी राज्य में 16 टीमें हैं। बाकी राज्यों में 39 टीमें तैनात हैं। 10 टीम रिजर्व हैं। 12 टीमें 3 अलग-अलग जगहों पर रिजर्व हैं। इन्हें जरूरत पड़ने पर एयरलिफ्ट किया जाएगा। आंध्र प्रदेश में 3 लोगों के मारे जाने की सूचना आई हैं।

यौन शोषण मामला- बृजभूषण को जवाब देने का आखिरी मौका,अगली सुनवाई 20 नवंबर,बरी होने के फैसले को महिला पहलवानों ने किया चैलेंज

गोंडा। महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े मामले में



भारतीय कुश्ती संघ (डब्लूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। उनके वकील ने ऑनलाइन पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। विशेष न्यायाधीश ने आखिरी मौका देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तय की है। 9 अक्टूबर को एमपी/एमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह ने मामले की सुनवाई करते हुए बृजभूषण शरण सिंह को 28 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत में शुरू से अंत तक हुई पूरी अदालती कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड (पेन ड्राइव में) याचिकाकर्ता पहलवानों, बृजभूषण शरण सिंह, विनोद तोमर और दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से भी पूछा था कि क्या वह इस फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करेगी, जिस पर पुलिस ने जवाब देने के लिए समय मांगा था। डेढ़ महीने बाद पहलवानों ने दी थी याचिकाः-बता दें कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने 3 अगस्त को बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को बरी कर दिया था। करीब डेढ़ महीने बाद 28, सितम्बर 2026 को महिला पहलवानों ने बरी होने के फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में अपील दायर की थी। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि निचली अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों का चुनिंदा और त्रुटिपूर्ण आकलन किया तथा फैसला महज अनुमानों और अटकलों पर आधारित था। याचिका में यह भी दलील दी गई कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर रूढ़िवादी धारणाओं का सहारा लिया गया, जो कानूनी रूप से उचित नहीं है। पहलवानों ने इस आधार पर आदेश की समीक्षा करने की मांग की। पहलवानों ने निचली अदालत के फैसले को कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं बताते हुए उसकी समीक्षा की मांग की थी। बृजभूषण ने कहा था- होइहि सोइ जो राम रचि राखाः-फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- 'जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा।' कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था।

दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग का एप लॉन्च,48 घंटे के भीतर दुकान पर जाकर लेनी होगी बोतल

नयी दिल्ली। दिल्ली में रहने वाले शराब के शौकीन अब घर बैठे ही एक नए मोबाइल ऐप के जरिए



शराब की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे। 'दिल्ली लिकर बुकिंग' नाम के इस ऐप को दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीसीआईआईडीसी) ने लॉन्च किया है। इसके जरिए पूरे शहर में लगभग 208 रिटेल स्टोर जुड़े हुए हैं। हालांकि, शराब की होम डिलीवरी नहीं की जाएगी। इसीलिए को ऑनलाइन पेमेंट करने के बाद 48 घंटे के भीतर खुद दुकान पर जाकर अपनी बोतलें लेनी होंगी। बुकिंग के बाद मिला क्यूआर कोड दुकान पर दिखाना होगाः- ऑनलाइन बुकिंग ऐप शुरू करने पर अधिकारियों ने कहा कि इसका मकसद दुकानों पर लगने वाली भीड़ और इंतजार के समय को कम करना, पेमेंट काउंटर पर दबाव घटाना, और कीमतों और बिलिंग में पारदर्शिता लाना है। ऐप पर जाकर ग्राहक मौजूद ब्रांड देख सकते हैं, अपनी पसंद का स्टोर चुन सकते हैं और बोतल का साइज और मात्रा तय कर सकते हैं। ऑनलाइन बुकिंग और पेमेंट के बाद उपभोक्ताओं को एक क्यूआर कोड मिलेगा, जिसे दुकान पर स्कैन करके आसानी से शराब ली जा सकती है। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

एमएलसी चुनाव- बीजेपी काशी हारी, यूपी की 5 सीटें जीती,कांग्रेस सरकार वाले कर्नाटक में एनडीए का क्लीन स्वीप

लखनऊ/नयी दिल्ली। चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की विधान परिषद की 28 सीटों के लिए मतगणना हो रही है।खबर लिखे जाने तक उत्तर प्रदेश में 11 में से भाजपा ने अब तक 5 सीटें जीती हैं, जबकि वाराणसी शिक्षक सीट समाजवादी पार्टी के खाते में गई। कर्नाटक की 4 सीटों पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने जीत हासिल की हैं। महाराष्ट्र में पांच सीटों पर मतगणना जारी है। बिहार में सबसे बड़ा उलटफेर पटना शिक्षक सीट पर हुआ, जहां राष्ट्रीय जनता दल के डॉ. संजीव कुमार ने भाजपा के पांच बार के एमएलसी नवल किशोर यादव को हरा दिया। दरभंगा शिक्षक सीट पर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की। यूपीः गोरखपुर में भाजपा को निर्दलीय प्रत्याशी से टक्करः-यूपी में गोरखपुर में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी की बढ़त लगातार कम हो रही है। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। आगरा में फूट-फूट कर रोते हुए इस्लाम धर्म कबूलने की धमकी देने वाले सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल जीत गए हैं। शिक्षक सीट पर उन्होंने भाजपा प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी को हराया। आगरा की स्नातक सीट पर भाजपा के मानवेंद्र प्रताप सिंह और झांसी स्नातक सीट पर सपा के डॉ. मान सिंह यादव ने जीत का दावा किया है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बिहार विधान परिषद की 8 सीटों में से 4 शिक्षक निर्वाचन सीट का रिजल्ट आ चुका है। पटना शिक्षक सीट पर 30 साल बाद बीजेपी की हार हुई है। नवल किशोर को राजद के डॉ. संजीव ने 1057 वोटों से मात दी है। वहीं तिरहुत शिक्षक सीट से बीजेपी के नरेन्द्र सिंह 600 वोटों से जीते। सारण शिक्षक सीट से बीजेपी के बागी और निर्दलीय राहुल राज ने 1815 वोट से जीत दर्ज की है। दरभंगा में जनसुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। तिरहुत स्नातक सीट से वंशीधर लगातार आगे चल रहे हैं। कर्नाटक- कांग्रेस हारी, विपक्ष ने चारों सीटें जीतीं:-कर्नाटक में एमएलसी की चार सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। विपक्षी जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडीएस ने कांग्रेस से एक सीट छीन ली, जबकि उसकी सहयोगी भाजपा ने अपनी तीनों सीटें बरकरार रखीं। बेंगलुरु शिक्षक सीट पर भाजपा के समर्थन से चुनाव लड़ रहे जेडीएस उम्मीदवार एपी रंगनाथ ने कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी पुट्टन्ना को 908 वोटों से हराया। पुट्टन्ना को 9,902 वोट मिले, जबकि रंगनाथ को 10,810 वोट मिले। उत्तर-पूर्व शिक्षक सीट पर भाजपा के मौजूदा एमएलसी शशिल जी. नामोशी ने कांग्रेस उम्मीदवार शरणप्पा मत्तूर को हराया।

पूर्व जस्टिस कौल बोले-सरकारों को सहमत जज पसंद आते हैं,कॉलेजियम को स्वतंत्र फैसले लेने चाहिए

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज संजय किशन कौल ने कहा कि सरकारें हमेशा उन जजों को पसंद करती रही हैं, जो उनके विचारों से सहमत होते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को अपनी स्वतंत्रता बचाने के लिए मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। जस्टिस कौल ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के जजों की नियुक्ति के तरीके की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को स्वतंत्र रूप से फैसले लेने चाहिए और सरकार से पहले ही मंजूरी लेने से बचना चाहिए। उन्होंने ये बातें अपनी आगामी किताब 'विदाउट फियर ऑर फेवर' को लेकर चर्चा के दौरान कहीं। जस्टिस कौल ने कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास को मेंटर नहीं कर रहे थे। वह उनसे एक पत्रकार के रूप में केवल कुछ बार मिले थे और उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा संयम बरतने की सलाह दी थी, जो कि अक्सर पीढ़ियों के बीच अलग-अलग होती है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस 'एसके कौल'- 'करीब एक साल पहले सौरव दास के साथ दिवाली के कार्यक्रम में तस्वीर खिंची थी, जिसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। सीजेपी के कार्यकर्ताओं को आंदोलन के तरीके पर कोई सलाह नहीं दी है।' एसके कौल के इंटरव्यू की प्रमुख बातें- अनुच्छेद 370 हटाने परः अनुच्छेद 370 हटाने के मामले में उन्होंने कश्मीरी हिंदू के बजाय संवैधानिक जज के रूप में फैसला दिया।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

वैश्य समाज किसी पार्टी का बंधुआ मतदाता नहीं है - डॉ सुमंत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को ये जानते हुए की चुनाव हार जाएंगे लेकिन फिर भी समाज के लोगों ने चुनाव लड़ा लेकिन



शायद उसके मूल वोट बैंक से बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि वैश्य समाज का मिजाज बदलता हुआ नजर आ रहा है जिसे एक महासम्मेलन में वैश्य नेताओं ने उजागर किया है। रायबरेली के रिफार्म क्लब में वैश्य एकता परिषद का एक महासम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें विभिन्न पार्टियों में काम कर रहे वैश्य समाज के नेता एकत्रित हुए त इस महासम्मेलन को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुमंत गुप्ता ने साफ तौर पर कहा कि समाज किसी राजनीतिक पार्टी का बंधुआ मतदाता नहीं है । उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का जिक्र करते हुए कहा कि जनसंघ के समय में उस दीपक में तेल डालने का काम वैश्य समाज ने किया। ताकि भारतीय जनता पार्टी मजबूत हो सके। लेकिन जिस तरह से वर्तमान में वैश्य समाज की उपेक्षा की जा रही है इसलिए अब हम यह निर्णय कर चुके हैं कि जिस भी पार्टी के द्वारा हमें टिकट के माध्यम से सम्मान देगी हम उस पार्टी के साथ जाएंगे। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को दोष देते हुए बताया कि विधान परिषद में एक भी टिकट समाज को नहीं दिया गया उत्तर प्रदेश में वैश्य बहुल विधानसभाओं में हमें उपेक्षित रखा गया इसलिए अब हमारा निर्णय है कि समाज अन्य जातियों की तरह अपना राजनीतिक हित देखेंगे फिर वो हित किसी भी पार्टी के साथ क्यों ना हो। महासम्मेलन में मंच में जिले के नगर पंचायत के अध्यक्ष विनोद कौशल, सरिता साहू उनके प्रतिनिधि प्रभात साहू,लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता,ऊंचाहार नगर पंचायत अध्यक्ष ममता जायसवाल, फतेहपुर के विधायक विकास गुप्ता सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव इं. विजय रस्तोगी ने बताया कि इस महासम्मेलन के माध्यम से समाज इस बात का निर्णय करेगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाज की भूमिका क्या होगी। महाराजगंज नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू ने कहा की सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से देश को और समाज को मजबूत करने वाली जाति की उपेक्षा राजनीतिक पार्टियों को अब महंगी पड़ेगी क्योंकि अब समाज अपने हित के लिए एकजुट होकर कार्य करने के लिए खुद की भूमिका को निर्धारित कर चुका है। परिषद के जिला अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि जिले में आगामी चुनाव में एक अलग माहौल देखने को मिलेगा यह माहौर राजनीतिक पार्टियों के लिए एक चौंकाने वाला माहौल होगा। महासम्मेलन में आर बी वैश्य, फूलचंद्र अग्रहरि राजेंद्र वैश्य जिला अध्यक्ष अग्रहरि समाज, अतुल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल, दीपेंद्र गुप्ता चेयरमैन प्रतिनिधि कृष्ण चंद्र जायसवाल अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर जेके गुप्ता वीरेंद्र कुमार अग्रहरी सुधीर गुप्ता, आलोक गुप्ता एडवोकेट,शिवसागर अग्रहरि सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

भा.रा. पत्रकार महासंघ की बैठक संपन्न,रीवा में 22 नवंबर को होगा जिला सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय



पत्रकार महासंघ जिला इकाई रीवा की बैठक पड़रा स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शमशेर सिंह गहरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई,बैठक का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक में बाइस नवंबर को रीवा में होने वाले जिला सम्मेलन का गरिमामय ढंग से संपन्न कराने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया। जिला सम्मेलन में राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे साथ ही कई राष्ट्रीय पदाधिकारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि के साथ ही कई वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा। संगठन के जो आजीवन सदस्य हैं और अपने व्यस्ततम कार्यों के से समय न मिलने पर सक्रिय नहीं रहते उन सभी सम्मानित आजीवन सदस्यों का सम्मान किया जाएगा। बैठक में प्रांतीय संरक्षक शशि सिंह तिवारी, सुखदेव द्विवेदी, प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा, प्रांतीय उपाध्यक्ष वी के मिश्रा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष नवीन तिवारी, प्रांतीय मुख्य महासचिव वीरेन्द्र मिश्रा, प्रांतीय महासचिव माधवेश मिश्रा ,प्रांतीय सचिव डॉ मनोज पाठक, प्रांतीय मीडिया प्रभारी दिलीप त्रिपाठी, संभागीय अध्यक्ष प्रभूनाथ पान्डेय, महिला विंग की संभागीय अध्यक्ष संगीता पटेल, संभागीय मुख्य महासचिव विपिन मिश्रा, जिलाध्यक्ष एस एस गहरवार, जिला महासचिव अशोक सोनी, जिला प्रवक्ता अरुण पाण्डेय ,संयुक्त सचिव सुरेन्द्र त्रिपाठी, खबर संग्राम न्यूज़ चैनल के उप संपादक पवन शुक्ला, रामपुर बाघेलान के अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी, उपाध्यक्ष गुलाब वती पान्डेय, कार्यालय प्रभारी शिवकुमार मिश्रा, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष वैदेही शरण द्विवेदी, प्रभाकर पाण्डेय आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में प्रांतीय संयुक्त सचिव मृगेंद्र सिंह के पिता श्री हरदत्त सिंह एवं सतना जिला उपाध्यक्ष अशोक द्विवेदी के पिता श्री भागवत प्रसाद द्विवेदी के दुखद निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई, ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे इस हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। साथ ही उनके परिवार पर पड़े भारी दुखद विपत्ति को सहन करने की शक्ति ईश्वर परिजनों को प्रदान करें इस हेतु प्रार्थना की गई।

संगठन विस्तार धर्म रक्षा पर मंथन,सत्संग के जरिए समाज को जागरूक करने पर जोर!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) देवरिया। विश्व हिंदू परिषद की ओर से आयोजित जिला सत्संग विस्तार सप्ताह के तहत संगठन विस्तार, धर्म रक्षा, समाज



जागरण और सेवा कार्यों को लेकर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को एकजुट करने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सत्संग के माध्यम से लोगों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में जिला अध्यक्ष अनिल जायसवाल और जिला मंत्री राम सिंह सहित संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रहे पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की गतिविधियों का विस्तार करना, धार्मिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाना और सेवा कार्यों को गति देना रहा। इस दौरान धर्म रक्षा के साथ समाज में आपसी समन्वय और संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती को समाज की सामूहिक भागीदारी से जोड़ते हुए अधिक से अधिक लोगों को सत्संग और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने की जरूरत बताई। आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने, संगठन की इकाइयों को सक्रिय रखने और समाज के बीच सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला उपाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल, पवन जायसवाल 'दीपू', हरिकेश्वर सिंह और संध्या श्रीवास्तव, जिला सह मंत्री जय शिव मिश्र, धनेश प्रजापति और आदित्य विक्रम सिंह, बजरंग दल के जिला संयोजक सौरभ मणि त्रिपाठी, सह संयोजक अमन राव, जिला कोषाध्यक्ष चिरंजी लाल और सह कोषाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता शामिल रहे। इसके अलावा विशेष संपर्क प्रमुख डॉ. निर्भय शाही, मातृशक्ति संयोजिका पूनम सिंह, दुर्गा वाहिनी संयोजिका पूनम मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ प्रमुख एडवोकेट निरंजन सिंह बघेल, सह प्रमुख एडवोकेट विनोद सिंह, जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख राधेश्याम चौबे और सत्संग प्रमुख दारोगा भारती सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने संगठन की विचारधारा, सेवा कार्यों और सांस्कृतिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया। 'आओ संगठित हों, सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु संकल्पित हों' के संदेश के साथ संगठन विस्तार, धर्म रक्षा, समाज जागरण और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

नेपाल एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के व्यापारियों को मिलेगी सुविधाएं,नानपारा एवं नेपालगंज रोड गुड्स शेड से,माल की लोडिंग-अनलोडिंग सुविधा आरम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल ने नानपारा एवं नेपालगंज रोड स्टेशनों के गुड्स शेड को पूर्ण रेक के आवक एवं जावक माल यातायात के लिए खोल दिया है। व्यापार एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस सुविधा का उद्देश्य क्षेत्र के व्यापारियों एवं माल ग्राहकों को बड़ी मात्रा में माल की आवाजाही के लिए सुगम और प्रभावी रेल परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में, नेपालगंज रोड गुड्स शेड खुलने के बाद पहली बार स्लीपर की 20 बीआरएन वैगनों की रेक कानपुर अनवरगंज से नेपालगंज रोड के लिए प्राप्त हुई, उक्त रेक का माल उतरान नानपारा स्टेशन पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उक्त रेक के माध्यम से कुल 1,285.1 टन माल का परिवहन किया गया, जिससे रेलवे को रु8,75,341/- की मालभाड़ा आय प्राप्त हुई। नेपालगंज रोड गुड्स शेड पर इस प्रथम स्लीपर रेक का आगमन क्षेत्र में रेल माल परिवहन के विस्तार तथा रेलवे के माल राजस्व में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे प्रशासन ने नेपाल एवं सीमावर्ती क्षेत्र के व्यापारियों, उद्योगों तथा माल ग्राहकों से अपील की है कि, वे अपनी व्यापारिक आवश्यकताओं के अनुसार नानपारा एवं नेपालगंज रोड गुड्स शेड की पूर्ण रेक सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाएं। व्यापारी बड़ी मात्रा में माल की आवक एवं जावक के लिए रेल परिवहन को अपने लॉजिस्टिक विकल्प के रूप में अपनाकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल का यह प्रयास क्षेत्र में माल परिवहन की क्षमता को बढ़ाने, व्यापार को सुगम बनाने तथा नेपाल एवं सीमावर्ती क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव? ने मीडिया को दी।



दिल्ली से मुंबई तक पूजा पांडे का जलवा, बॉलीवुड और वेब सीरीज में बनाई अलग पहचान,अभिनय प्रतिभा खूबसूरती और मेहनत के दम पर मनोरंजन जगत में बढ़ रही लोकप्रियता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मनोरंजन जगत में सफलता की राह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूजा पांडे भी मनोरंजन जगत में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। बॉलीवुड और वेब सीरीज के बढ़ते प्रभाव ने कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए नए मंच उपलब्ध कराए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता के कारण दर्शकों तक पहुंचने के अवसर भी बढ़े हैं। पूजा पांडे की आगे की अभिनय यात्रा और आगामी परियोजनाओं को लेकर मनोरंजन प्रेमियों की उत्सुकता बनी हुई है।मनोरंजन जगत में नई संभावनाओं की तलाशः- दिल्ली से मुंबई तक का सफर मनोरंजन जगत में अपनी जगह बनाने का सपना देखने वाले अनेक कलाकारों के लिए प्रेरणादायक माना जाता है। पूजा पांडे की यात्रा भी इसी प्रयास और महत्वाकांक्षा की कहानी के रूप में देखी जा सकती है। आने वाले समय में उनकी नई परियोजनाएं और अभिनय से जुड़े प्रयास उनके करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। आधुनिक समाचार – मनोरंजन जगत की खास खबरें।



अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहीं पूजा पांडे इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दिल्ली से मुंबई तक अपने सफर के दौरान उन्होंने अभिनय और मनोरंजन की दुनिया में पहचान बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं। बॉलीवुड फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक कलाकारों के लिए उपलब्ध नए अवसरों के बीच पूजा पांडे का नाम भी दर्शकों की दिलचस्पी का केंद्र बन रहा है। फिल्मों और डिजिटल मनोरंजन के तेजी से बदलते दौर में कलाकारों के सामने अपनी प्रतिभा साबित करने की नई चुनौतियां और संभावनाएं हैं। ऐसे में अभिनय कौशल, मेहनत, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास

रास्ताफारी वेलनेस के विश्लेषण में 68फीसदी प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड में नींद से जुड़ी समस्याएं पाई गई

कंसल्टेशन डेटा के छह महीने के विश्लेषण से वयस्क उपभोक्ताओं के बीच नींद, तनाव और चिंता से जुड़ी समस्याओं का पता चला है। इसके अलावा यह भी पता चला है कि पौधों से बने वेलनेस उत्पादों के इस्तेमाल में वैज्ञानिक रिसर्च और प्रमाणों पर आधारित जानकारी कितनी जरूरी है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा आधुनिक और रिसर्च-आधारित दृष्टिकोण के ज़रिए वनस्पति-आधारित वेलनेस पर केंद्रित भारतीय ब्रांड 'रास्ताफारी वेलनेस' द्वारा किए गए प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड के विश्लेषण में अनिद्रा (इंसोम्निया) और नींद से जुड़ी समस्याओं को सबसे ज़्यादा दर्ज किया गया। छह महीनों के दौरान इकट्ठा किए गए रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल से पता चला कि 68.10फीसदी मामलों में नींद से जुड़ी समस्याएं थीं, जबकि 31.13फीसदी मामलों में एंग्जायटी (चिंता) और 28.12फीसदी मामलों में तनाव की समस्या देखी गई। ये नतीजे ब्रांड के वयस्क ग्राहकों के साथ कंसल्टेशन के दौरान सामने आई समस्याओं के बारे में जानकारी देते हैं। ये निष्कर्ष ऐसे समय में सामने आए हैं जब भारत में नींद से जुड़ी सेहत पर पहले से कहीं ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है। 2025 में 'इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण में भारतीय डेटा का उपयोग करने वाले 100 अध्ययनों की जांच की गई। इसमें अनिद्रा (इंसोम्निया) की कुल व्यापकता का अनुमान 25.7फीसदी लगाया गया। हालांकि इस अनुमान की तुलना सीधे तौर पर रास्ताफारी वेलनेस के प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड से नहीं की जा सकती, लेकिन यह रिसर्च नींद से जुड़ी समस्याओं को समझने और उन पर ध्यान देने के लिए एक व्यापक संदर्भ जरूर प्रदान करती है। ब्रांड के डेटासेट में मौजूद उम्र से जुड़े आंकड़े भी विश्लेषण में शामिल उपभोक्ताओं की जानकारी देते हैं। रिकॉर्ड के अनुसार कंसल्टेशन कराने वाले उपभोक्ताओं की औसत उम्र 27.9 वर्ष थी, जबकि 25 से 34 वर्ष की उम्र के लोगों की हिस्सेदारी कुल प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड में 58.75फीसदी थी। रास्ताफारी वेलनेस की नीति के मुताबिक, केवल 21 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोग ही इसकी सेवाएं ले सकते हैं। इसके ज्यादातर ग्राहक 21 से 35 वर्ष की उम्र के वयस्क हैं। ग्राहकों में 60.49फीसदी पुरुष और 39.51फीसदी महिलाएं हैं। नींद की कमी, तनाव और चिंता जैसी समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी, एकाग्रता और सेहत पर असर डाल सकती हैं। हालांकि इनके कारण और गंभीरता हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। वेलनेस कंसल्टेशन के रिकॉर्ड से यह समझने में मदद मिल सकती है कि लोग किन समस्याओं को लेकर सलाह लेते हैं। लेकिन इन रिकॉर्ड के आधार पर किसी बीमारी का डायग्नोसिस करना या उसके असली कारण का पता लगाना संभव नहीं है। अगर नींद से जुड़ी समस्याएं या चिंता लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो सही कारण जानने और उचित इलाज के लिए किसी योग्य स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। रास्ताफारी वेलनेस के



फाउंडर अवधूत चवन ने कहा, 'वेलनेस एक व्यक्तिगत प्रक्रिया होती है। यह प्रक्रिया हर किसी की ज़रूरतों और अनुभवों से मिलकर बनती है। रास्ताफारी वेलनेस में हमारा उद्देश्य पारंपरिक बॉटैनिकल जानकारी को बदलती वैज्ञानिक समझ के साथ लोगों के बीच फैलाना है। हमारे कंसल्टेशन के नतीजे लोगों की समस्याओं को शुरुआती तौर पर समझने और आगे रिसर्च के लिए नए विषयों की पहचान करने में मदद करते हैं। हालांकि इनके आधार पर पूरी आबादी में वेलनेस से जुड़े रुझानों या किसी प्रोडक्ट के प्रभाव के बारे में स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते। हमारा मानना है कि यह संतुलित दृष्टिकोण भारत में वेलनेस के प्रति लोगों को ज्यादा जागरूक बनाने और उन्हें सही जानकारी के आधार पर फैसले लेने में मदद कर सकता है।' समय के साथ वनस्पति-आधारित वेलनेस में लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में ये निष्कर्ष जिम्मेदार कंसल्टेशन, प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता, उनके बारे में पारदर्शी जानकारी और योग्य विशेषज्ञों की उचित सलाह को प्राथमिकता दी जाती है। रास्ताफारी वेलनेस के बारे में:- रास्ताफारी वेलनेस एक भारतीय वेलनेस ब्रांड है। यह पौधों पर आधारित वेलनेस के लिए एक आधुनिक और रिसर्च-आधारित दृष्टिकोण अपनाता है। यह ब्रांड इस सोच पर बना है कि पारंपरिक वनस्पति जानकारी और आज के वेलनेस इनोवेशन को एक साथ लाया जा सकता है। इसका उद्देश्य आज के वयस्क उपभोक्ताओं के लिए वेलनेस को ज्यादा सुलभ, प्रासंगिक और आकर्षक बनाना है। हेम्प और विजया पर आधारित वेलनेस उत्पादों जैसे कि गमीज़ और लिक्विड शॉट्स की अपनी बढ़ती रेंज के साथ रास्ताफारी वेलनेस एक बेहतरीन ब्रांडिंग के साथ-साथ प्रोडक्ट डेवलपमेंट (उत्पाद विकास), ग्राहकों को जागरूक करने और नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए काम करने पर ध्यान देता है। यह ब्रांड भारतीय कानूनों और नियमों के दायरे में रहते हुए पौधों पर आधारित वेलनेस के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। रास्ताफारी वेलनेस सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है।

दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद में भावातीत ध्यान, प्राणायाम एवं योग सत्र का आयोजन,'तनाव से शांति की ओर' पहल के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं आंतरिक संतुलन को बढ़ावा देने का प्रयास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा नयी दिल्ली स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमयूआईटी), नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आज दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद में भावातीत ध्यान, प्राणायाम एवं योग पर एक परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'तनाव से शांति की ओर' पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण के व्यावहारिक उपायों से लोगों को परिचित कराना है। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस अकादमी के 253 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को भावातीत ध्यान की अवधारणा, इसकी प्रक्रिया तथा दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता से परिचित कराया गया। सत्र का संचालन भावातीत ध्यान शिक्षकों डॉ. मुदिता अग्रवाल और विजय उप्पल ने किया। उन्होंने भावातीत ध्यान के मूल सिद्धांतों तथा मानसिक शांति, आंतरिक स्थिरता और समग्र कल्याण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, योग प्रशिक्षकों विवेक राठौर, एम.डी. सोहेल और तरुणा चौधरी ने प्राणायाम एवं योग सत्र का संचालन किया। प्रतिभागियों को श्वास संबंधी अभ्यासों और योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान महर्षि महेश योगी के जीवन, विचारों एवं शिक्षाओं पर आधारित एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को महर्षि जी की शिक्षाओं तथा ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण की उनकी परिकल्पना को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस अकादमी, वजीराबाद की ओर से उपस्थित अधिकारियों में इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, इंस्पेक्टर ई. एस. यादव, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, सब-इंस्पेक्टर अरुण कुमार, सब-इंस्पेक्टर संजीव कुमार, सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार, सब-इंस्पेक्टर राजीव कुमार, सब-इंस्पेक्टर सत्य ब्रह्म, सब-इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह, सब-इंस्पेक्टर अजय कुमार, एएसआई सुनील दत्त, एएसआई ईश्वर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल अंशु तथा कांस्टेबल राम कृष्ण शामिल रहे। स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से अभिलाषा नंदल और आलोक शर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में सहयोग दिया। 'तनाव से शांति की ओर' पहल का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और तनावपूर्ण परिस्थितियों में आंतरिक स्थिरता एवं संतुलन बनाए रखने के उपायों से लोगों को परिचित कराना है। पुलिस कर्मियों की जिम्मेदारियों और चुनौतीपूर्ण कार्य परिस्थितियों को देखते हुए मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और तनाव प्रबंधन का विशेष महत्व है। स्पिरिचुअल रीजेनरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा का यह प्रयास मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने तथा भावातीत ध्यान, प्राणायाम और योग के माध्यम से समग्र कल्याण के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



आईएमएस लॉ कॉलेज ने लगाया निशुल्क विधिक सहायता शिविर,खानपुर के ग्रामीणों को दी कानूनी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईएमएस लॉ कॉलेज के लीगल एड सेल ने विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया। यह शिविर गौतम बुद्ध नगर के खानपुर गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ। शिविर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अधिवक्ता आदर्श वर्मा तथा गौतम बुद्ध नगर जिला न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. राजेश भड़ाना ने ग्रामीणों को मार्गदर्शन प्रदान किया। आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने बताया कि इस निःशुल्क विधिक सहायता शिविर के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी विषयों पर निःशुल्क परामर्श दिया गया। साथ ही, कानूनी जागरूकता सत्रों के माध्यम से उन्हें अपने अधिकारों, उपलब्ध कानूनी सहायता सेवाओं और निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। अधिवक्ता आदर्श वर्मा ने कहा कि कानूनी जागरूकता समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक नागरिक को अपने कानूनी अधिकारों और उन्हें प्राप्त करने के लिए उपलब्ध विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निःशुल्क विधिक सहायता जरूरतमंद लोगों को न्याय प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।



शिविर के दौरान अधिवक्ता डॉ. राजेश भड़ाना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच कानूनी जागरूकता बढ़ाना और आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कानूनी अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी होनी चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग बिना किसी संकोच के न्याय प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

क्रिकेट बॉल से भी बड़ा लिवर ट्यूमर, 72 वर्षीय मरीज की बिना बड़े चीरे के सफल सर्जरी

ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल में 10-12 सेंटीमीटर के ट्यूमर को पूरी तरह लैप्रोस्कोपिक तकनीक से निकाला; क्षेत्र में पहली ऐसी सर्जरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बढ़ती उम्र, लिवर सिरोसिस, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी जटिलताओं के



बावजूद यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा के डॉक्टरों ने 72 वर्षीय मरीज के लिवर में 10-12 सेंटीमीटर के बड़े ट्यूमर की सफल सर्जरी की। ट्यूमर का आकार क्रिकेट बॉल से भी बड़ा था। डॉक्टरों ने पूरी तरह मिनिमली इनवेसिव लैप्रोस्कोपिक तकनीक से मरीज के लिवर का दाहिना हिस्सा निकाला। अस्पताल की टीम के अनुसार, क्षेत्र में पूरी तरह मिनिमली इनवेसिव तरीके से की गई यह अपनी तरह की पहली सर्जरी है। इस मामले की खासियत ट्यूमर का बड़ा आकार और मरीज की जटिल मेडिकल स्थिति थी। लिवर सिरोसिस के कारण लिवर की कार्यक्षमता को सुरक्षित रखना, कैंसरग्रस्त हिस्से को निकालना और पर्याप्त स्वस्थ लिवर को बचाए रखना डॉक्टरों के लिए बड़ी चुनौती थी। मरीज की उम्र और पहले से मौजूद बीमारियों को देखते हुए धनौली निवासी मनोहर सिंह को करीब नौ महीने से पेट में दर्द की शिकायत थी। जून के दूसरे सप्ताह में उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। विस्तृत जांच और ट्रिपल-फेज सीटी स्कैन में लिवर के दाहिने हिस्से में लगभग 10-12 सेंटीमीटर का अनियमित आकार का ट्यूमर पाया गया। इसे स्टेज-3 के रूप में वर्गीकृत किया गया। मरीज को पहले से टाइप-2 डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर था, जबकि लिवर सिरोसिस की समस्या भी मौजूद थी। मरीज की समग्र स्वास्थ्य स्थिति, हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता तथा लिवर के शेष हिस्से की कार्यक्षमता का आकलन करने के बाद सर्जरी की योजना बनाई गई। जून 2026 को जनरल एनेस्थीसिया के तहत डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी, लैप्रोस्कोपिक राइट हेपेटेक्टॉमी (लिवर के दाहिने हिस्से को निकालने की सर्जरी) और कोलेसिस्टेक्टॉमी (पित्ताशय सर्जरी से पहले विस्तृत जांच तथा ऑपरेशन के दौरान और बाद में विशेष निगरानी की योजना बनाई गई। आगरा के निकालने की सर्जरी) की गई। ऑपरेशन लगभग छह से सात घंटे तक चला और इस दौरान करीब 200 मिलीलीटर रक्तस्राव हुआ। पूरी प्रक्रिया बिना किसी ऑपरेशन के दौरान या बाद की सर्जिकल जटिलता के सफलतापूर्वक पूरी हुई। सर्जरी के बाद निकाले गए ऊतक की हिस्टोपैथोलॉजी जांच में मॉडरेटली डिफरेंशिएटेड एडेनोकार्सिनोमा दर्ज किया गया और सभी सर्जिकल मार्जिन कैंसर-मुक्त पाए गए। मरीज को दो दिन तक आईसीयू में निगरानी में रखा गया और 17 जून को वेंटिलेटर से हटा दिया गया। अगले चार से पांच दिनों में उन्होंने अच्छी रिकवरी की। अस्पताल की टीम के अनुसार, मरीज को फिलहाल किसी अतिरिक्त कैंसर उपचार की आवश्यकता नहीं है। डॉ. मनोज गुप्ता, सीनियर डायरेक्टर एवं हेड, रोबोटिक एंड लैप्रोस्कोपिक जीआई सर्जरी, जीआई ऑन्कोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा ने कहा, 'बुजुर्ग मरीजों में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और लिवर सिरोसिस जैसी समस्याएं किसी भी बड़ी सर्जरी के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। ऐसे मामलों में सर्जरी की सावधानीपूर्वक योजना बनाने के साथ ऑपरेशन के दौरान और बाद में भी विशेष निगरानी जरूरी होती है। इस मरीज में 10-12 सेंटीमीटर का बड़ा ट्यूमर था और हमें कैंसरग्रस्त हिस्से को निकालने के साथ शेष लिवर की कार्यक्षमता को भी सुरक्षित रखना था। पूरी तरह मिनिमली इनवेसिव लैप्रोस्कोपिक तकनीक से इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा करना हमारी टीम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ऑपरेशन के दौरान लगभग 200 मिलीलीटर रक्तस्राव हुआ और कोई सर्जिकल जटिलता नहीं आई। मरीज की रिकवरी भी अच्छी रही।'

नोएडा सेक्टर-105 में जल संरक्षण की अनूठी पहल,व्यर्थ बहते पेयजल की रोकथाम के लिए आरडब्ल्यूए ने महाप्रबंधक से की विशेष अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जल ही जीवन है और



इसकी एक-एक बूंद को सहेजना हम सभी का परम सामाजिक एवं नैतिक कर्तव्य है। इसी दूरदर्शी भावना के साथ सेक्टर-105 (नोएडा) की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने क्षेत्र में स्थित पानी की टंकी से हो रहे ओवरफ्लो तथा बहुमूल्य पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए एक अत्यंत सराहनीय और प्रभावी कदम उठाया है। ?आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल एवं सीवर विभाग) आर. पी. सिंह साहब को पत्र प्रेषित कर इस जनहित समस्या के स्थायी एवं तकनीक-आधारित समाधान हेतु विनम्रतापूर्वक ध्यान आकर्षित किया है। पत्र के माध्यम से आरडब्ल्यूए ने बेहद आदरसूचक और सकारात्मक भाव से निवेदन किया है कि जलापूर्ति के समय पानी की टंकी पर आधुनिक 'ऑटोमैटिक फ्लोट वाल्व' लगवाया जाए, ताकि टंकी भरते ही ओवरफ्लो स्वतः रुक सके। इसके साथ ही, ओवरफ्लो पाइपलाइन को 'रेनवाटर हार्वेस्टिंग पिट' से जोड़ने का सुझाव भी दिया गया है, जिससे यदि जलापूर्ति के दौरान थोड़ा-बहुत जल निकलता भी है, तो वह नालियों में व्यर्थ बहने के बजाय सीधे भूजल स्तर को रिचार्ज करने के काम आ सके। इस पुनीत कार्य में विभागीय तत्परता और कर्मचारियों की उचित मॉनिटरिंग को अत्यंत आवश्यक बताते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहाः- 'जल संरक्षण केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह पूरे समाज का एक साझा संकल्प है। नोएडा प्राधिकरण सदैव शहर के विकास और जन-सुविधाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि महाप्रबंधक श्रीमान आर. पी. सिंह साहब के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में जल विभाग इस समस्या का त्वरित, आधुनिक और स्थायी समाधान सुनिश्चित करेगा, जो पूरे नोएडा शहर के लिए जल संरक्षण का एक बेहतरीन उदाहरण बनेगा।'इसके साथ ही आरडब्ल्यूए ने संपूर्ण शहरवासियों से भी भावुक अपील की है कि वे अपने दैनिक जीवन में पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझें और जल की बर्बादी को रोककर एक जागरूक एवं ज़िम्मेदार नागरिक का परिचय दें।

तीन दिवसीय कृषक परिभ्रमण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रसार निदेशालय, शुआट्स, प्रयागराज द्वारा जनपद गोपालगंज, बिहार राज्य के चयनित 40 कृषकों का आत्मा योजनान्तर्गत तीन दिवसीय



कृषक परिभ्रमण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज दिनांक 28.10.2026 को किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रशासन प्रो0 (डा0) विश्वरूप मेहरा को पुष्पगुच्छ प्रदान करके उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि कम लागत प्राकृतिक खेती के सिद्धान्तों के अनुसार जीवामृत एवं घनजीवामृत प्रकार की खाद तैयार की जाती है तथा इस पद्धति से एक देशी गाय से तीस एकड़ की भूमि में खेती की जा सकती है। उन्होनें कहा कि प्राकृतिक खेती द्वारा न सिर्फ लागत में कमी आती है अपितु गुणवत्तायुक्त फसल उत्पाद भी प्राप्त होता है जिसकी बाजार में बहुतायत मांग है तथा अच्छा बाजार मूल्य प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज ज्वार, बाजरा, रागी, कोंदो, कुटकी आदि में कम सिंचाई और बिना उर्वरक के प्रयोग के भी उत्पादित किया जा सकता है। यह फसलें ऊर्जा, प्रोटीन, विटामिन एवं खनिज तत्वों के अच्छे स्रोत हैं तथा प्रोटीन में लाइसिन और थियोनिन को छोड़कर सभी प्रकार के आवश्यक अमीनो अम्ल होते हैं जिसके कारण श्रीअन्न अपनी पौष्टिकता एवं औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं । इनमें फाइटो रसायन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की प्रचुरता होने के कारण पोषक अनाज भी कहा जाता है। श्रीअन्न के उत्पादन में विभिन्न कर्षण क्रियाओं में दक्ष उन्नत कृषि यंत्रों के प्रयोग से तथा वैज्ञानिक प्रबन्धन के द्वारा लागत में कमी तथा शुद्ध लाभ को बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों को कृषि में विविधता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि फलदार वृक्षों का रोपण व रखरखाव पर विशेष ध्यान दें। फलदार वृक्षों में कलमी पौधों का ही चयन करें जिससे उनकी प्रजाति अच्छे गुणवत्ता की हो साथ ही उन्होंने खाली खेतों में बांस का बांसुरी विधि से व्यावसायिक उत्पादन बेहद सफल एवं वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने की सलाह दी। इस विधि के द्वारा बांस की शाखाओं या तनों का उपयोग करके नये पौध तैयार किये जाते हैं। इस हेतु 1.5-2 वर्ष पुराने स्वस्थ एवं मजबूत बांस के तने का चयन कर 2 गांठों वाले टुकड़ों में काट लेते हैं तथा दो गांठों के बीच के हिस्से में 1×1 सेमी एक छिद्र कर देते हैं तथा इसके रास्ते बांस के खोखले हिस्से में कवकनाशी से उपचार करके छिद्र को प्लास्टिक पत्री से ढक कर ऊपर से मिट्टी से बंद कर दिया जाता है। तत्पश्चात क्यारियों तैयार कर रोपाई की जाती हैं। इसके 7-8 दिन बाद बांस के खोखले भाग में पानी भरते हैं, 8-10 दिन नये कल्ले निकलते हैं तथा 50-60 दिन पर जड़े निकल आती हैं उसके बाद बॉस को काटकर बीच छिद्र से दो पौध तैयार हो जाती और रोपाई कर दिया जाता है। वैज्ञानिक डा0 शिशिर कुमार ने कृषकों को खाद्यान्न फसलों (गेहूँ, धान, चना, मटर) तथा मक्का की खेती के लिए उत्प्रेरित करते हुए कहा कि मक्का की फसल उगाने से किसान अपनी खराब मिट्टी वाली जमीन को भी बचा सकते हैं, क्योंकि यह धान के मुकाबले 90 प्रतिशत पानी और 79 प्रतिशत उपजाऊ शक्ति को बरकरार रखती हैं। यह गेहूं और धान के मुकाबले ज्यादा फायदे वाली फसल है। इस फसल को कच्चे माल के तौर पर उद्योगिक उत्पादों जैसे कि तेल, स्टार्च, शराब आदि में प्रयोग किया जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए मिट्टी में जैविक तत्वों की अधिक मात्रा पी.एच. 5.5-7.5 और अधिक पानी रोककर रखने में सक्षम होनी चाहिए। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा0 सरवेन्द्र कुमार ने पशुपालन विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का सीधा सम्बन्ध पशुओं के उत्तम स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता से है। खनिज लवणों की कमी से पशु का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अतः खनिज लवणों की पशुओं के पोषण में उपयोगिता का पूर्ण ज्ञान होना अति आवश्यक है। पशुओं के उत्तम स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए मुख्य खनिज लवण जैसे कॉपर, कोबाल्ट, लोहा, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, आयोडीन, पोटैशियम, सोडियम, सल्फर, फास्फोरस और सिलिनियम आदि को बनाये रखने के लिए सभी खनिज लवण अति आवश्यक हैं। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी. डी. मिश्रा ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत किया तथा तीन दिवसों में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा कृषकों के समक्ष रखी एवं संरक्षित विधि से सब्जियों की खेती एवं पौधशाला प्रबन्धन पर विस्तृत चर्चा की एवं मृदा उर्वरता एवं जैविक खेती के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भूमि में जीवांश कार्बन की मात्रा दिन प्रतिदिन क्रान्तिक स्तर से भी नीचे जा रही है जिसका मुख्य कारण गोबर की सड़ी खाद एवं कम्पोस्ट का प्रयोग सीमित स्तर पर करने से हुआ है। अतः किसी भी फसल की खेती के लिए कृषकों को मृदा परीक्षण के आधार पर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करना आज के समय की आवश्यकता बन गई है जिसको अनदेखा करने पर भारी दुष्परिणाम हो सकते हैं। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक प्रसार प्रो0 (डा0) ए. वेâ. चौरसिया, वैज्ञानिक डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 मनीष कुमार केसरवानी, हिन्दी ऑफीसर श्रीमती मीना नेथन एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सत्य सनातन ट्रस्ट के नाम से पंजीकृत बैंक खाते से लगभग रु2.37 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी के प्रकरण में भोपाल से 03 और वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रकरण में मुख्य अभियुक्त सहित अब तक कुल 08 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल, क्षेत्राधिकारी साइबर हर्ष पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में थाना दुद्धी पुलिस एवं सर्विलांस टीम द्वारा सत्य सनातन ट्रस्ट के नाम से पंजीकृत बैंक खाते से करोड़ों रुपये की साइबर धोखाधड़ी के प्रकरण में



भोपाल, मध्य प्रदेश से 03 और वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। वर्तमान गिरफ्तारी में अभियुक्तों के कब्जे से 01 हुंडई अमेज कार बरामद किए गए। इस प्रकरण में अब तक तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 08 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। प्रकरण का विवरण- समन्वय (जेएमआईएस) पोर्टल के माध्यम से सत्य सनातन ट्रस्ट के नाम से पंजीकृत बैंक खातों की जांच में साइबर फ्रॉड से संबंधित कुल 35 शिकायतों में लगभग रु11.63 करोड़ की धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। जांच में प्रकाश में आया कि उक्त ट्रस्ट में कई सदस्यों को जोड़ा गया था। ट्रस्ट के संचालक ऋषिकेश पाण्डेय द्वारा ट्रस्ट के नाम से बैंक खाता खुलवाकर उसका खाता नंबर एवं एटीएम कार्ड मध्य प्रदेश निवासी कुछ व्यक्तियों को उपलब्ध कराया गया था। आरोप है कि साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि उक्त ट्रस्ट के बैंक खातों में मंगाई जाती थी। जांच में यह भी प्रकाश में आया कि ट्रस्ट के कई बैंक खाते थे, जिनमें से एक खाते में लगभग रु2.37 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई थी। धोखाधड़ी की धनराशि ट्रस्ट के खाते में प्राप्त होने के एवज में ट्रस्ट के अध्यक्ष को 20 प्रतिशत कमीशन दिया जाता था तथा शेष धनराशि आपस में बांट ली जाती थी। जांच के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि उक्त ऋषिकेश पाण्डेय द्वारा धर्मोदय फाउण्डेशन नामक संस्थान का भी पंजीकरण कराया गया था, जिसे चुर्क में स्थापित किया गया था। इसके अतिरिक्त बलसा कन्स्ट्रक्शन एंड ट्रेडिंग एलएलपी, जिसका संबंध किरबिल, म्योरपुर से बताया गया है, तथा भूमित्रम इंडिया माइक्रो फाउंडेशन ट्रस्ट सहित अन्य संस्थाओं के बैंक खातों में भी संदिग्ध लेन-देन प्रकाश में आए हैं। इन संस्थाओं से संबंधित लेन-देन की जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। 1. सत्य सनातन ट्रस्ट- रजखड़, दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 2. भूमित्रम इंडिया माइक्रो फाउंडेशन। 3. बलसा कन्स्ट्रक्शन एंड ट्रेडिंग एलएलपी-किरबिल, म्योरपुर। 4. धर्मोदय फाउण्डेशन-चुर्क। 5. राष्ट्रीय स्वराज फाउण्डेशन। इस संबंध में थाना दुद्धी पर मु0अ0सं0-281/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 66डी सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। वर्तमान गिरफ्तारी का विवरण (दिनांक 25.10.2026)- प्रकरण में वांछित अभियुक्तों की तलाश के क्रम में निरीक्षक श्री विजय कुमार चौरसिया (प्रभारी निरीक्षक थाना रायपुर), निरीक्षक अपराध थाना दुद्धी श्री अंगद प्रसाद तिवारी एवं सर्विलांस टीम द्वारा मोबाइल लोकेशन के आधार पर भोपाल, मध्य प्रदेश में दबिश दी गई। पुलिस टीम ने दिनांक 25.10.2026 को समय करीब 20:05 बजे, थाना अयोध्या नगर क्षेत्रान्तर्गत सी-सेक्टर तिराहे पर यादव टी-स्टाल के पास से 03 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों को ट्रांजिट रिमांड पर जनपद सोनभद्र लाया गया तथा नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूर्ण कर दिनांक 28.10.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. जय कुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 शशिधर पाण्डेय, निवासी मकान नं0 सी-10, तिरुपति होम्स, थाना अयोध्या नगर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश; स्थायी पता मकान नं0 173, न्यू देवराज नगर, गीधौला, रामनगर, जिला सतना, मध्य प्रदेश, उम्र करीब 35 वर्ष। 2. राजेश पोद्दार पुत्र यशपाल पोद्दार, निवासी फ्लैट नं0 508, सागर लेक व्यू होम, थाना अयोध्या नगर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश; स्थायी पता वार्ड नं0 09, आदर्श नगर स्कूल के पास, थाना मोरवा, जिला सिंगरौली, मध्य प्रदेश, उम्र करीब 46 वर्ष। 3. बब्बू प्रसाद प्रजापति पुत्र रामकृष्ण प्रजापति, निवासी फ्लैट नं0 608, सागर लेक व्यू होम, थाना अयोध्या नगर, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश; स्थायी पता ग्राम गोदवाली, थाना बरगवां, जिला सिंगरौली, मध्य प्रदेश, उम्र करीब 27 वर्ष। वर्तमान गिरफ्तारी में बरामदगी का विवरण-01 अदद हुंडई अमेज कार। प्रकरण में पूर्व में हुई गिरफ्तारियों का विवरण- प्रथम गिरफ्तारी (दिनांक 25.10.2026)- थाना दुद्धी पुलिस द्वारा दिनांक 25.10.2026 को प्रातः करीब 06:40 बजे, रेलवे स्टेशन परिसर रोड, दुद्धी से प्रकरण के मुख्य अभियुक्त हरिकेश पाण्डेय उर्फ ऋषिकेश सहित कुल 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. हरिकेश पाण्डेय उर्फ ऋषिकेश पुत्र चिंतामणि पाण्डेय, निवासी ग्राम बागी बगही, नौगढ़, जनपद चन्दौली (मुख्य अभियुक्त)। 2. अंजनी कुमार पुत्र उदित नारायण, निवासी महुअरिया, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 3. वेदान्त मौर्या पुत्र पवन कुमार कुशवाहा, निवासी रजखड़, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। द्वितीय गिरफ्तारी (दिनांक 26.10.2026)-विवेचना एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा दिनांक 26.10.2026 को समय करीब 18:10 बजे, रनटोला तिराहा, थाना म्योरपुर क्षेत्र से 02 अन्य वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से 02 मोबाइल फोन बरामद हुए थे। दोनों अभियुक्तों को दिनांक 27.10.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. प्रवेश राज सिंह पुत्र विष्णुदेव सिंह, निवासी वार्ड नंबर-11, कस्बा अनपरा, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 40 वर्ष। 2. जोनसीन क्रिशायान उर्फ राजेश कुमार पुत्र सोमारू, निवासी रेहटा, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 36 वर्ष।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. प्रभारी निरीक्षक श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 2. निरीक्षक श्री विजय कुमार चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 3. निरीक्षक अपराध श्री अंगद प्रसाद तिवारी, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 लालजी यादव, सर्विलांस/एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र। 5. का0 राहुल बिन्द, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र।6. का0 अजीत कुमार, सर्विलांस/एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र।

ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दीनशाह गौरा/रायबरेली। विकास क्षेत्र दीनशाह गौरा में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बेसिक



बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन विकास क्षेत्र के ही शिव नारायण सिंह इंटर कॉलेज के प्रांगण में खंड शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य शिव नारायण सिंह इंटर कॉलेज लाल संजय प्रताप सिंह ने माँ सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित व ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी , दीनशाह गौरा सत्य प्रकाश सिंह ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही बच्चों का सही विकास होता है साथ ही बच्चे कठिन परिश्रम करना सीखते है और उसका आने वाले जीवन में लाभ मिलता है। प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में प्रांशु थुलरई ने प्राप्त किया । बालिका वर्ग की प्राथमिक स्तर की कबड्डी में थुलरई की टीम विजेता और धमधमा की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग में ही जूनियर स्तर की कबड्डी में बिन्नवा की टीम विजेता रही। बालक वर्ग की जूनियर स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में थुलरई विजेता रही। ऊँची कूंद में संदीप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर के बालिका वर्ग में खो-खो में धमधमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर के बालिका वर्ग में खो-खो में धमधमा की टीम विजेता और जलालपुर थई की टीम उपविजेता रही। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा गौरा के अध्यक्ष शैलेश पांडे ने सभी बच्चों को विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग करने हेतु शुभकामनाएं प्रदान की और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास दोनों होते है।व्यायाम शिक्षक व एसआरजी सुनील यादव ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।इस अवसर पर हरिकेश बहादुर यादव , अखिलेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह , उमेश त्रिवेदी , दुशान्त प्रताप , ब्रजेंद्र सिंह , मनीष दीक्षित , अरवाब हैदर , रमन सिंह , प्रणव कुमार , दिलीप कुमार , सिद्धनाथ , किरन सिंह , नितिन मिश्रा , उदय चन्द्र , अर्पित यादव , कल्पना अग्रहरि , राहुल द्विवेदी , राकेश मिश्रा , सर्वेंद्र सिंह , उमेश वर्मा , सर्वेश कुमार , हेमन्त सिंह , नितिन सोनी , संजीव सोनी , उमेश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। , 200 मीटर दौड़ में बृजेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर में बालक वर्ग की दौड़ में 100 मीटर , 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में सूरज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । प्राथमिक स्तर के बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में अलका , 200 मीटर दौड़ में माहिरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर पर बालिका वर्ग में 100 मीटर में दौड़ में शिखा, 200 मीटर दौड़ में सानिया , 400 मीटर दौड़ में अवंतिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । बालक वर्ग की लंबी कूंद में सूरज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । बालिका वर्ग की लंबी कूंद में रीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर में बालक वर्ग की कबड्डी में प्रथम स्थान

सोनभद्र राजस्थानी गरबा सीजन-2 ने दिया महिला एकजुटता का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। सोनभद्र में मंगलवार, 27 अक्टूबर को आयोजित 'सोनभद्र राजस्थानी गरबा सीजन-2' में महिलाओं का उत्साह देखते ही बना। गरबा और डांडिया के रंगों से सजे इस आयोजन ने न केवल मनोरंजन का अवसर प्रदान किया, बल्कि महिला एकजुटता, आत्मविश्वास और सामूहिक प्रयास की ताकत को भी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की संचालक एडवोकेट अनीता थरड और रितु जालान ने कहा कि आयोजन को सफल बनाने के दौरान कई चुनौतियाँ आईं, लेकिन कमेटी की सदस्यों ने हिम्मत नहीं हारी। सोनभद्र की महिलाओं से मिले प्यार और सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने साबित किया है कि एकजुट होकर वे किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम का आयोजन श्री राणी सती दादी भक्त महिला मंडल और मारवाड़ी युवा मंच सोन महिला शाखा के बैनर तले किया गया, जबकि इसकी व्यवस्था और वित्तीय सहयोग मारवाड़ी महिला कमेटी ने संभाला। कमेटी में शीला जैन, ममता जालान, मीरा जालान, रितु जालान, एडवोकेट अनीता थरड, सविता चौधरी, सुनीता झुनझुनवाला, शिप्रा झुनझुनवाला और दीप्ति केडिया शामिल रहीं।मुख्य अतिथि सीडीओ जागृति अवस्थी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं के लिए ऐसे आयोजन होने चाहिए। महिला थाना प्रभारी रीता यादव भी उपस्थित रहीं और उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। दिल्ली से आईं एंकर आकृति मिश्रा और डीजे बाबू ने कार्यक्रम में उत्साह और मनोरंजन का रंग भर दिया। आयोजन ने संदेश दिया कि महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान दे सकती हैं।



मतदाता सूची में गड़बड़ी और SIR के विरोध में भाकपा का जोरदार धरना-प्रदर्शन

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने समेत पाँच सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर



बुधवार को भाकपा जिला कमेटी सोनभद्र द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी,एसआईआर प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के सवाल को लेकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। देव कुमार विश्वकर्मा, जिला सह सचिव भाकपा सोनभद्र के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति महोदया के नाम जिलाधिकारी सोनभद्र को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए भाकपा नेताओं ने कहा कि एसआईआर के नाम पर किसी भी पात्र नागरिक को मताधिकार से वंचित करना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। गरीबों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और वंचित वर्गों के मताधिकार की सुरक्षा तथा मतदाता सूची में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। भाकपा की पाँच सूत्रीय प्रमुख मांगें:-1. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। 2. एसआईआर के बाद मतदाता सूची से हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल पुनः शामिल किए जाएं। 3. एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाकर शीघ्र मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराया जाए। 4. मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की वर्तमान प्रणाली को जनहित में वापस लिया जाए। 5. लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और स्वस्थ राजनीतिक मूल्यों की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जाए। भाकपा नेताओं ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाना उसके लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड बसावन गुप्ता जी ने किया और संचालन कामरेड अमरनाथ सूर्य ने किया। मुख्य रूप से उपस्थितः-अमरनाथ सूर्य, बसावन गुप्ता, बीरबल कोल, रामचरितर कोल, ललू कोल, गीता देवी, इंदु भुइंया, रमेश भुइया, लक्ष्मण भुइया, सूरज बंसल, रामप्रसाद बंसल, अमरनाथ भारती, बनारसी भारती, अमरनाथ बिंद, प्रेमा गोंड, रामराज भारती, विष्णुकांति बंसल, मन्नू भारती, अमित कुमार बंसल, चंद्रशेखर बंसल, राजन बंसल, सुदेसरी कोल सहित बड़ी संख्या में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चुर्क बाजार के वार्ड नंबर 4 में पानी की टंकी का शिलान्यास, पेयजल संकट दूर होने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा के वार्ड नंबर 4, चुर्क बाजार



में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। बुधवार को वार्ड में टुन्नू दास के घर के पास पानी की टंकी के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 4 के सभासद हिमांशु खत्री के आग्रह और नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव की पहल पर इस निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय महिलाओं ने सभासद हिमांशु खत्री के साथ पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया।इस अवसर पर वार्ड के लोगों में उत्साह देखा गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टंकी के बन जाने से पूरे वार्ड में पानी की किल्लत से काफी हद तक निजात मिलेगी और गर्मी के मौसम में होने वाली परेशानी कम होगी। सभासद हिमांशु खत्री ने कहा कि वार्ड की जनता ने पेयजल की समस्या को लेकर लगातार मांग की थी। चेयरमैन मीरा यादव के सहयोग से इस कार्य को स्वीकृति मिली है। निर्माण पूरा होने के बाद वार्ड के हर घर तक सुचारू जलापूर्ति का प्रयास किया जाएगा स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन और सभासद के इस प्रयास की सराहना की है।

चतरा में महिला जागरूकता चौपाल, महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिलाओं को सरकारी योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की दी गई जानकारी,बाल विवाह, घरेलू हिंसा और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक हुईं महिलाएं एवं किशोरियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जिलाधिकारी महोदय के आदेश एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2026 को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग की हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमेन (Hub for Empowerment of Women) टीम तथा वन स्टॉप सेंटर द्वारा विकास खण्ड चतरा में महिला जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के दौरान उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं एवं किशोरियों को महिला एवं बाल सुरक्षा, उनके अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। विभागीय कर्मचारियों ने बाल विवाह की रोकथाम, घरेलू हिंसा से संरक्षण, लैंगिक समानता, बाल अधिकारों तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, सखी निवास योजना, दत्तक ग्रहण इकाई तथा



रानी लक्ष्मीबाई योजना के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला पावर लाइन 1090, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 और आपातकालीन सेवा 112 के बारे में बताया गया। उपस्थित लोगों को प्रेरित किया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा बाल विवाह की स्थिति में संबंधित विभाग एवं हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त करें। चौपाल के दौरान साइबर सुरक्षा, नशे से बचाव तथा सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार के संबंध में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं तथा समाज में सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समानता पर आधारित वातावरण के निर्माण में सहयोग करें। जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा,समूह की महिलाएं, बालिकाएं एवं संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना जुगैल पुलिस की कार्यवाही-जंगली जानवर के शिकार हेतु खेत में करंट प्रवाहित नंगा तार लगाने से युवक की मृत्यु के प्रकरण में 03 नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सुश्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना जुगैल पुलिस द्वारा 03 नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। घटना का विवरण– दिनांक 25.10.2026 को रात्रि लगभग 08:00 बजे राजेश गुप्ता उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र अर्जुन गुप्ता



निवासी चतरवार टोला मकरवानी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र शौच के लिए खेत की तरफ गया था। इसी दौरान जंगली जानवर का शिकार करने के लिए लगाए गए घरेलू उपयोग के जीआई तार में प्रवाहित विद्युत करंट की चपेट में आने से वह घायल हो गया। परिजनों द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चोपन ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पंजीकृत अभियोग एवं गिरफ्तारी– मृतक के पिता अर्जुन गुप्ता की तहरीर के आधार पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0 134/2026, धारा 105 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण में नामजद निम्नलिखित तीन अभियुक्तों को दिनांक 27.10.2026 की रात्रि लगभग 09:00 बजे ग्राम चतरवार से गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम- 1. जगरनाथ बैगा पुत्र बच्चालाल बैगा, 2. रामधनी बैगा पुत्र धनपत, 3. बिहारी बैगा पुत्र प्रगास, निवासीगणः ग्राम चतरवार टोला छिवलहवा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र।

सोनभद्र में 'सबसे ऊँचे सरदार' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न हुई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के उपलक्ष्य में 28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेतृत्व में जिला कार्यालय, सोनभद्र में 'सबसे ऊँचे सरदार' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न हुई।जिसमें बतौर मुख्यअतिथि जिला सहकारी बैंक मिर्जापुर चेयरमैन जगदीश सिंह पटेल जी मौजूद रहे। गोष्ठी का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी व लौहपुरुष सरदार पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। गोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी व संचालन जिला महामंत्री अशोक कुमार मौर्या ने किया। गोष्ठी में बतौर मुख्यअतिथि जिला सहकारी बैंक मिर्जापुर के चेयरमैन जगदीश सिंह पटेल ने कहा कि 1947 में जब देश आजाद हुआ तब लगभग 565 रियासतें थी अंग्रेजों ने उन्हे भारत में मिलने या स्वतंत्र रहने का विकल्प दे दिया था यह देश के टुकड़े टुकड़े होने का गंभीर खतरा था सरदार पटेल जी ने वीपी मेनन के सहयोग से साम दाम और दृढ़ निश्चय की नीति अपनाकर अधिकांश रियासतों को शांतिपूर्वक भारतीय संघ में मिलाया जुनागढ़ और हैदराबाद जैसी चुनौतीपूर्ण रियासतों का विलय में उनकी निर्णायक भूमिका रही। हैदराबाद में सितंबर 1948 में पुलिस कार्यवाही आपरेशन पोलो उसी दृढ़ता का उदाहरण है यदि सरदार पटेल न होते तो आज एकजुट और अखण्ड भारत हमारे सामने न होता। भाजपा का स्पष्ट मत है कि स्वतंत्रता के लंबे समय तक सत्ता मे रही कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते सरदार पटेल जी के ऐतिहासिक योगदान को कम आंका और उन्हे वह सम्मान नही दिया जिसके वह हकदार थे।गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल ने कहा कि सरदार पटेल जी का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडीयाद गांव में एक किसान परिवार में हुआ था वे जीवन भर किसान मजदूर और ग्रामीण भारत की आवाज बने रहे खेड़ा सत्याग्रह 1918 और बारदोली सत्याग्रह 1928 में उन्होंने किसानों का नेतृत्व किया बारदोली की सफलता के बाद देशवासियों ने उन्हे सरदार की उपाधि दी स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री के रुप में उन्होने ने देश की प्रशासनिक नींव मजबूत कि अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना में उनकी बड़ी भूमिका रही जिन्हे देश की स्टीमफ्रेम कहा जाता है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स





दिवाली पर घर पेंट कराते समय रहे सावधान,लेड फ्री पेंट चुनें, जब तक पुताई चले वहां से दूर रहें, 19 सावधानियां रखें याद

नयी दिल्ली। दिवाली का त्योहार नजदीक है। घरों में रंगाई-पुताई और पुराने फर्नीचर को नया लुक देने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस रंग से घर की खूबसूरती बढ़ती है, वही रंग सेहत के लिए खतरा भी बन सकता है? दरअसल कुछ पेंट में लेड यानी सीसा होता है। साल 2019 की 'टॉक्सिक लिंक' की एक स्टडी के मुताबिक, भारतीय बाजार में बिक रहे 17 में से लगभग 13 पेंट में लेड की मात्रा 10,000पीपीएम(पार्ट्स पर मिलियन) से ज्यादा थी। जबकि भारत सरकार द्वारा पेंट में लेड की तय सीमा 90पीपीएम है। लेड एक ऐसा हानिकारक तत्व है, जिसका बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट पर बहुत खतरनाक असर पड़ता है। यूनिसेफ और 'प्योर अर्थ' की 2020 की रिपोर्ट 'द टॉक्सिक ट्रुथ' के अनुसार, दुनिया में करीब 80 करोड़ बच्चों (हर 3 में से 1) के ब्लड में लेड का लेवल 5 माइक्रोग्राम प्रति डेसीलीटर या उससे ज्यादा था। जबकि बच्चों में इसका कोई भी लेवल सुरक्षित नहीं माना जाता। वहीं केमिकल्स यूज़ किए जाते हैं, जिनके एक्सपोजर से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। पेंट में मौजूद खतरनाक केमिकल्सः- लेड (सीसा) ब्रेन, किडनी और हार्ट को नुकसान, टोल्यून, जाइलीन चक्कर, सिरदर्द, नर्वस सिस्टम पर असर, आइसोसाइनेट रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स, अस्थमा का रिस्क। वीओसी (वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स) आंखों में जलन सिरदर्द मतली, कुछ ग्लाइकोल ईथर आंख, स्किन और अन्य ऑर्गन्स पर असर कुछ बायोसाइड स्किन में जलन, एलर्जी। सवाल- लेड यानी सीसा शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- बच्चों में ब्रेन डेवलपमेंट के साथ लर्निंग एबिलिटी और बिहेवियर पर बुरा असर पड़ता है। प्रेग्नेंसी में लेड गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है और उसकी ग्रोथ को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय में लेड शरीर में जमा होता है। इससे ब्रेन, किडनी, हार्ट और नर्वस सिस्टम सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचता है। सवाल- क्या पेंट में लेड की मौजूदगी का पता उसकी स्मेल या रंग से लगाया जा सकता है? जवाब- नहीं, सिर्फ स्मेल या रंग से पेंट में लेड होने का पता नहीं लगाया जा सकता। इसके लिए ये तरीके अपनाएं- पेंट के डिब्बे पर दी गई जानकारी और सुरक्षा संबंधी जानकारी पढ़ें। कंपनी की वेबसाइट पर पेंट में मौजूद केमिकल्स की जानकारी देखें। सिर्फ 'इको-फ्रेंडली' या 'नॉन-टॉक्सिक' लिखे होने से पेंट को लेड-फ्री न मानें। शक होने पर मान्यता प्राप्त लैब से पेंट की जांच कराएं। सवाल- वीओसी (वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स) क्या हैं और ये क्यों खतरनाक हैं? जवाब- ये ऐसे केमिकल हैं, जिनका यूज कुछ पेंट, वार्निश और थिनर में होता है। इसे पेंट को जल्दी सूखने, सतह पर आसानी से फैलने उसकी फिनिश बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इनके एक्सपोजर से- आंख, नाक और गले में जलन हो सकती है। सिरदर्द, चक्कर आना या मतली हो सकती है। सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लिवर, किडनी और नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुंच सकता है। कुछ वीओसी से कैंसर का रिस्क भी बढ़ता है।

सवाल- क्या वाटर-बेस्ड पेंट सॉल्वेंट बेस्ड-पेंट से ज्यादा सुरक्षित हैं? जवाब- आमतौर पर वाटर-बेस्ड पेंट में कई सॉल्वेंट-बेस्ड प्रोडक्ट्स की तुलना में वीओसीज़ कम हो सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें- वाटर-बेस्ड का मतलब यह नहीं कि पेंट पूरी तरह केमिकल-फ्री है। इसमें भी प्रिजर्वेटिव्स या दूसरे केमिकल्स हो सकते हैं। ऐसे में पेंट खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखें- पेंट खरीदते समय ध्यान रखें ये बातेंः-लेड फ्री पेंट ही खरीदें। पेंट में वीओसी की मात्रा कम हो। टेस्ट किट से लेड जांचें। इनडोर यूज के लिए सेफ हो। केमिकल की जानकारी पढ़ें। 6 पेंट सूखने से जुड़े निर्देश पढ़ें। 7 चेतावनी, सुरक्षा निर्देश पढ़ें। आईएसआई मार्क चेक करें। पुराना पेंट न खरीदें। सवाल- पुराने पेंट को खुरचने या घिसने में ज्यादा रिस्क क्यों है? जवाब- पुराने पेंट को खुरचने या घिसने से उसमें मौजूद लेड के बारीक कण धूल में मिल सकते हैं। इससे घर की हवा और सतहें दूषित हो सकती हैं। यह धूल बच्चों के खिलौनों, हाथों और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचकर शरीर में लेड पहुंचने का खतरा बढ़ाती है। सवाल- घर की पुताई के दौरान बच्चों और गर्भवती महिलाओं को क्या सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पुताई शुरू होने से पहले बच्चों और प्रेग्नेंट महिलाओं के रहने की दूसरी जगह तय करें। इन दौरान उन्हें उस कमरे से दूर रखें। खिड़कियां-दरवाजे खोलें, ताकि पर्याप्त वेंटिलेशन बना रहे। पेंट, थिनर और पेंटिंग के औजार बच्चों की पहुंच से दूर रखें। पेंटिंग के दौरान खिलौने और बच्चों का सामान उस जगह से हटा दें। काम के बाद सतहों की उचित सफाई होने तक बच्चों को वहां न खेलने दें। सवाल- पेंटिंग के दौरान घर में वेंटिलेशन कैसे बनाए रखें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कमरे की खिड़कियां-दरवाजे खुले रखें। एग्जॉस्ट फैन चलाएं, ताकि पेंट की गंध, हवा में फैले बारीक केमिकल्स और रासायनिक गैसें बाहर निकल सकें। सिर्फ एयर कंडीशनर पर निर्भर न रहें, क्योंकि यह बाहर की ताजी हवा नहीं लाता। पुताई पूरी होने के बाद भी निर्देशों के मुताबिक कमरे में वेंटिलेशन का इंतजाम बनाए रखें। सवाल- दिवाली पर घर की पुताई करवाते समय सबसे जरूरी सावधानियां क्या हैं? जवाब- इस दौरान ग्राफिक में दी गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें- पेंटिंग से जुड़ी जरूरी सावधानियांः-पेंटिंग से पहलेः- बच्चों, बुजुर्गों को दूर रखें। प्रेग्नेंट महिलाएं दूर रहें। सुरक्षा निर्देश फॉलो करें। मास्क, दस्ताने, गॉगल्स पहनें। खाने-पीने की चीजें ढक दें। सॉल्वेंट को आग से दूर रखें। फर्नीचर और फर्श ढक दें। पेंटिंग के दौरानः- खिड़की-दरवाजे' खुले रखें। स्किन, आंखों को पेंट से बचाएं। पुराने पेंट को खुद न खुरचें। पेंट की धूल न उड़ाएं। पेंटिंग स्पेस में स्मोक न करें। इस्तेमाल के बाद डिब्बे बंद करें। पेंटिंग के बादः- हाथ साबुन- पानी से धोएं। छींटों की सफाई करें। बचे पेंट, थिनर को डिस्पोज करें। पेंट बच्चों की पहुंच से दूर रखें। पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें। निर्देशों के अनुसार ही कमरे में जाएं। सवाल- क्या पुताई के दौरान सिर्फ मास्क पहनना पर्याप्त है? जवाब- नहीं, सामान्य मास्क पेंट की रासायनिक गैसों और केमिकल्स के बारीक कणों से पूरी सुरक्षा नहीं देता। इसके लिए सही रेस्पिरेटर, अच्छा वेंटिलेशन और पेंट के संपर्क को कम करना भी जरूरी है। सवाल- वुडन फर्नीचर, खिड़की और दरवाजों की पॉलिश से क्या रिस्क हो सकता है? जवाब- इसमें वीओसीज़ और दूसरे केमिकल हो सकते हैं। इनके संपर्क में आने से हेल्थ प्रॉब्लम्स होती हैं, जैसेकि-आंखों और त्वचा में जलन। सिरदर्द और चक्कर। सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लंबे समय में कुछ केमिकल्स लिवर, किडनी और नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- पेंटिंग के कितनी देर बाद घर में लौटना सुरक्षित है? जवाब- इसका कोई एक निश्चित समय नहीं है। यह पेंट की किस्म, इस्तेमाल की मात्रा, वेंटिलेशन, तापमान और नमी पर निर्भर करता है। आमतौर पर 5-7 दिन बाद जोखिम काफी कम हो जाता है। पेंटिंग के दौरान सिरदर्द, चक्कर, मतली या आंखों में तेज जलन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। ये केमिकल एक्सपोजर के संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत ताजी हवा में जाएं और परेशानी बढ़ने पर डॉक्टर से मिलें। सवाल- क्या पेंट की धूल और बचे हुए केमिकल की सफाई के लिए खास सावधानी जरूरी है? जवाब- हां, इस दौरान इन बातों का ध्यान रखें-धूल को सूखे कपड़े या झाड़ू से न उड़ाएं। प्रोफेशनल्स से उचित सफाई करवाएं। पेंट और थिनर के बचे हुए हिस्सों को नाली में न बहाएं।









'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन' की ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) की स्टडी के मुताबिक, साल 2021 में दुनिया भर में लेड एक्सपोजर के कारण लगभग 15 लाख लोगों की मौत हुई थी। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में दिवाली पर घर की रंगाई-पुताई से जुड़ी सावधानियों पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-पेंट में मौजूद केमिकल्स के क्या हेल्थ रिस्क हैं? इनसे बचने के लिए कौन-सी सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को और गहराई से समझेंगे। एक्सपर्ट- डॉ. अली शेर, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- घर की रंगाई-पुताई के दौरान सेहत को क्या खतरे हो सकते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पेंट से निकलने वाले केमिकल्स के बारीक कण और रासायनिक गैस हवा से सांस के जरिए शरीर में पहुंचते हैं। पुराने पेंट को खुरचने या घिसने से धूल उड़ती है। इसमें लेड जैसे जहरीले तत्व मौजूद हो सकते हैं। इन केमिकल्स के संपर्क में आने से आंखों, स्किन और रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट में जलन हो सकती है। बंद कमरे में पेंट के खतरनाक बारीक केमिकल्स और रासायनिक गैस जमा होती है। इससे सिरदर्द, चक्कर और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। लेड एक्सपोजर खासकर बच्चों के लिए खतरनाक है। इससे उनके ब्रेन डेवलपमेंट पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। सवाल- पेंट में कौन-से खतरनाक केमिकल होते हैं और इसका सेहत पर क्या असर है? जवाब- पेंट में कई तरह के खतरनाक

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की कमाई रु3,550 करोड़ के पार,एशेज और भारत सीरीज से रु483 करोड़ का शुद्ध मुनाफा,पिछले साल हुआ था घाटा

स्पोर्ट डेस्क। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को वित्त वर्ष 2025-26 में 601.1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब रु3,550 करोड़) की आय हुई। बोर्ड को इस दौरान 81.8 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब रु483 करोड़) का शुद्ध मुनाफा हुआ। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 11.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब रु67 करोड़) का घाटा हुआ था। बोर्ड ने बुधवार को अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज टेस्ट सीरीज और भारत के खिलाफ वनडे-ऊ20 सीरीज से मीडिया राइट्स, कमर्शियल डील और मैच के दिन टिकटों की बिक्री से रिकॉर्ड कमाई हुई। स्टेडियम में दर्शकों की रिकॉर्ड संख्या ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। एशेज के 18 दिन में 8.59 लाख दर्शक पहुंचेः- इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के 18 दिन के खेल में कुल 8,59,580 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान हर दिन औसतन 47,754 दर्शक मौजूद रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, सीरीज में दर्शकों की संख्या से जुड़े कई रिकॉर्ड बने। भारत के खिलाफ अक्टूबर-नवंबर में खेली गई सीरीज से भी बोर्ड को अच्छी कमाई हुई।



ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती, जबकि भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। पुरुष टीम ने 4-1 से जीती एशेज, महिला टीम बनी टी20 वर्ल्ड चैंपियनः- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की टीमों ने मैदान पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने घरेलू एशेज सीरीज में इंग्लैंड को 4-1 से हराकर ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी। वहीं, महिला टीम ने इंग्लैंड को फाइनल में हराकर सातवीं बार आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। टीमों के इस प्रदर्शन ने भी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सफल सीजन में अहम भूमिका निभाई। अगले दो वित्तीय वर्षों में घाटे का अनुमानः- रिकॉर्ड मुनाफे के बावजूद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आने वाले वर्षों में वित्तीय चुनौतियों की आशंका जताई है। बोर्ड के अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में उसे घाटा हो सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी वजह इंटरनेशनल क्रिकेट के चक्रानुसार बदलते शेड्यूल को बताया है। इन वर्षों में घरेलू इंटरनेशनल मैचों से होने वाली कमाई और मीडिया राइट्स रेवेन्यू में गिरावट आने की आशंका है।नवंबर में इंग्लैंड से व्हाइट-बॉल सीरीज, जनवरी में भारत दौराः-ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम फिलहाल साउथ अफ्रीका के दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसके बाद टीम 13 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्हाइट-बॉल सीरीज खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया को 9 दिसंबर से 8 जनवरी के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम 21 जनवरी से भारत के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला टेस्ट नागपुर में प्रस्तावित है।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार छठा टी-20 जीता,एजाज ने 20 गेंदों में फिफ्टी लगाई

स्पोर्ट डेस्क। अफगानिस्तान ने शारजाह में तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 37 रन से हरा दिया। टीम ने 66 रन पर 5 विकेट गंवाने के बाद 177 रन बनाए। 20 साल के एजाज अहमदजई ने 20 गेंदों में फिफ्टी लगाई, जबकि राशिद खान ने 10 गेंदों में 30 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 140 रन पर ऑलआउट हो गई। राशिद ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार छठा टी20ह मुकाबला जीता। 12वें ओवर में 66 रन पर 5 विकेट गिरेः-टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। दूसरे ओवर में कप्तान इब्राहिम जादरान ब्रैड इवांस की गेंद पर कवर में कैच आउट हो गए। इसके बाद अर्नेस्ट मसूकू ने सेदिकुल्लाह अटल और मोहम्मद अकरम को पवेलियन भेजा। नौवें ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज भी वेलिंगटन माजाकादजा की गेंद पर आउट हो गए। इस दौरान सिकंदर रजा ने एक्स्ट्रा कवर पर शानदार कैच पकड़ा। अजमतुल्लाह उमरजई का विकेट गिरने के बाद 12वें ओवर तक अफगानिस्तान का स्कोर 66 रन पर 5 विकेट हो गया। एजाज ने 20 गेंदों में फिफ्टी लगाई, शाहिदुल्लाह के साथ 61 रन जोड़ेः-मुश्किल स्थिति में शाहिदुल्लाह और एजाज अहमदजई ने पारी को संभाला। शाहिदुल्लाह ने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की, जबकि एजाज ने आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 4.5 ओवर में 61 रन की साझेदारी की। शाहिदुल्लाह 42 गेंदों में 46 रन बनाकर 17वें ओवर में आउट हुए। अंतिम ओवरों में राशिद खान ने 10 गेंदों में 30 रन बनाकर टीम की रन गति बढ़ाई। हालांकि, अफगानिस्तान की पारी 19.5 ओवर में 177 रन पर सिमट गई। डेब्यू मैच में मसूकू ने लिए 2 विकेट, अकरम को मिला एलबीडब्लूः-जिम्बाब्वे के नियमित गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के चोटिल होने के कारण 33 साल के अर्नेस्ट मसूकू को टी20आई डेब्यू का मौका मिला। उन्होंने अपने पहले ही स्पेल में प्रभाव छोड़ा। मसूकू ने सेदिकुल्लाह अटल को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया और मोहम्मद अकरम को एलबीडब्लू आउट किया। हालांकि, रिप्ले में गेंद स्टंप्स के ऊपर से जाती दिखी। मैच में डीआरएस उपलब्ध नहीं था, इसलिए अकरम को पवेलियन लौटना पड़ा। राशिद ने 10 गेंदों में 4 छक्के लगाएः-अफगानिस्तान की पारी के आखिरी ओवरों में राशिद खान ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 10 गेंदों में 30 रन की पारी खेली, जिसमें एक चौका और 4 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 300 रहा। राशिद के इन शॉट्स ने अफगानिस्तान को 177 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। जिम्बाब्वे के लिए न्यूमैन न्यामहुरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 31 रन देकर 4 विकेट लिए और पारी के आखिरी ओवर में तीन विकेट चटकाए। राशिद की फिरकी में फंसा जिम्बाब्वे, 140 रन पर सिमटी टीमः-178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में एक विकेट गंवाकर 38 रन बनाए। इसके बाद अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने शिकंजा कस दिया। राशिद खान ने इनोसेंट काइया को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को दूसरा झटका दिया। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा और टीम मिडिल ओवरों में दबाव से नहीं उबर सकी। राशिद ने तादिवानाशे मरुमानी को एलबीडब्लू आउट किया और 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए। मुजीब उर रहमान ने भी 27 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। जिम्बाब्वे की ओर से रयान बर्ल ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। उन्होंने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के कारण टीम लक्ष्य से दूर रह गई। जिम्बाब्वे की पूरी टीम 140 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह अफगानिस्तान ने मुकाबला 37 रन से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।



ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड चौथे टी20आई के सभी टिकट बिके,ईडन पार्क में तीसरी सबसे बड़ी भीड़ होगी

स्पोर्ट डेस्क। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी-20 के सभी टिकट बिक गए हैं। शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले मैच को देखने 40 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, यह मैदान पर किसी अंतरराष्ट्रीय मैच की तीसरी सबसे बड़ी दर्शक संख्या हो सकती है।भारतीय टीम शुरुआती तीनों मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है। सीरीज के अब तक चार मैचों के टिकट बिक चुके हैं। इनमें शुरुआती दो मैच और रविवार को हैमिल्टन में होने वाला पांचवां टी20आई भी शामिल हैं। 2019 का दर्शक रिकॉर्ड टूटने की उम्मीदः-न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, चौथे टी-20 में 40 हजार से ज्यादा दर्शक पहुंच सकते हैं। ऐसा होने पर न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय सीरीज के किसी मैच में दर्शकों की मौजूदगी का रिकॉर्ड टूट जाएगा।



इससे पहले 2019 में ईडन पार्क में भारत के पुरुष और महिला टीमों के डबल-हेडर मुकाबलों को 36,523 दर्शकों ने देखा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि ईडन पार्क में भरे स्टेडियम के बीच मैच देखने का अनुभव खास होता है। उन्होंने बताया कि सीरीज को लेकर दर्शकों का उत्साह उम्मीद से ज्यादा है। चौथे टी-20 के सभी टिकट बिकना इसकी पुष्टि करता है। ईडन पार्क में इससे बड़ी भीड़ सिर्फ 2 बार जुटीः-ईडन पार्क में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान 40 हजार से ज्यादा दर्शक जुटने का रिकॉर्ड सिर्फ 2 बार बना है। 2015 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनलः न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच देखने 41 हजार दर्शक पहुंचे थे। ग्रांट एलियट के छक्के की मदद से न्यूजीलैंड ने फाइनल में जगह बनाई थी। 1982 का वनडे मैचः ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड दौरे के पहले वनडे में करीब 42 हजार दर्शक पहुंचे थे। न्यूजीलैंड ने यह मैच 46 रन से जीता था। उस टीम में रिचर्ड हैडली, जॉन राइट और मार्टिन क्रो जैसे खिलाड़ी शामिल थे। भारत दौरे के लिए 1.26 लाख से ज्यादा टिकट बिकेः-न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए अब तक 1.26 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। इनमें से 71 हजार से ज्यादा टिकट टी-20 सीरीज के 5 मैचों के लिए खरीदे गए हैं। तीसरे टी-20 में अभिषेक ने 38 गेंदों पर 113 रन बनाएः-सीरीज के तीसरे टी-20 में भारत ने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड के 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 13.2 ओवर में जीत हासिल की। अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन की पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 11 छक्के लगाए। अभिषेक ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी भी की।

खाते में पैसा होना ही काफी नहीं, मौके पर उसका मिलना भी जरूरी है

नौकरी रहते वेतन से घर चलता है, लेकिन नौकरी छूट जाए या सेवानिवृत्ति आ जाए तो गुजारा कैसे होगा? इसी सवाल का जवाब है कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), जो वेतन के एक



हिस्से को बचाकर भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का आधार तैयार करता है। नवंबर में यह संगठन 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। ईपीएफओ की शुरुआत 1 नवंबर 1952 को छह उद्योगों में अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के साथ हुई थी। सीमेंट, कपड़ा, लोहा-इस्पात जैसे उद्योगों की 50 या अधिक श्रमिकों वाली फैक्ट्रियों से शुरू हुई यह पहल केवल बचत की व्यवस्था नहीं थी। इसका उद्देश्य श्रमिकों को आर्थिक सहारा और सामाजिक सुरक्षा देना था। 15 अगस्त 2025 को लाल किले से घोषित प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना ने ईपीएफओ की भूमिका को और अहम बनाया। 2026 की शुरुआत तक इसके कुल खाते लगभग 34 करोड़ थे, जिनमें 8 करोड़ सक्रिय सदस्य थे। संगठन का कोष 30 लाख करोड़ रु. से अधिक था। यूएएन, ऑटो-ट्रांसफर और केंद्रीकृत पेंशन भुगतान जैसी सुविधाओं ने सेवाएं आसान की हैं। 2024-25 में 6.02 करोड़ दावे निपटे, जबकि 2025-26 में 8.31 करोड़। यानी 2.29 करोड़ अधिक, करीब 38% की बढ़ोतरी। लेकिन कर्मचारी की चिंता तभी दूर होती है, जब संकट में उसे अपना पैसा समय पर मिले। बैंक खाता आज की जरूरतें पूरी करता है, जबकि पीएफ की अनिवार्य बचत बुढ़ापे का सहारा है। जरूरत में राहत मिले, लेकिन भविष्य की सुरक्षा भी बनी रहे। पीएफ निकासी संवेदनशील सवाल है। बीमारी या घर खरीदने जैसी जरूरतों में यह राहत देती है, लेकिन बार-बार निकासी से जमा-पूंजी घटती है। पेंशन के लिए आम तौर पर दस साल की पात्र सेवा जरूरी है। नौकरी छोड़ने पर स्कीम सर्टिफिकेट लेकर सेवा अवधि को पेंशन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है। कर्मचारी को पीएफ, पेंशन और पारिवारिक लाभों की जानकारी रखनी चाहिए। जन्मतिथि, बैंक खाते और नामांकन का विवरण सही होना जरूरी है। नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि जानकारी सही दर्ज करे, अंशदान समय पर जमा करे और गलतियां सुधारे। रिकॉर्ड में गड़बड़ी से भुगतान रुक सकता है। बीमारी, परिवार में मृत्यु या कमाई बंद होने पर ऐसी देरी परेशानी बढ़ा देती है। 1952 के बाद काम की दुनिया बदल गई है। गिग वर्क, ठेके पर काम और दूसरे राज्यों में जाकर रोजी कमाना सामान्य बात है। एक डिलीवरीकर्मी कई प्लेटफॉर्मों पर काम कर सकता है। सामाजिक सुरक्षा को भी इस बदलाव के साथ चलना होगा। यूएएन तभी उपयोगी होगा, जब नौकरी या प्लेटफॉर्म बदलने पर भी अंशदान और सुरक्षा की निरंतरता बनी रहे। टेक्नोलॉजी गलती बता सकती है, लेकिन उसे सुधारने के लिए मानवीय समझ जरूरी है। अपने हक के पैसे की प्रतीक्षा कर रही विधवा को केवल कमी बताने वाला संदेश नहीं, बल्कि उसे दूर करने का रास्ता और जिम्मेदार अधिकारी का मार्गदर्शन भी चाहिए। देरी और परेशानी वेज समय ही संवेदनशीलता की असली परीक्षा होती है। ईपीएफओ का प्रशिक्षण मॉड्यूल 'शासन-विधि में करुणा' इसी जरूरत को पहचानता है। ईपीएफओ के 75वें वर्ष की असली कसौटी उसके कोष का आकार या दावों की संख्या नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर कर्मचारी को उसका हक बिना अनावश्यक देरी मिले, यह होगी। दूसरे राज्य में काम करने वाला निर्माण श्रमिक, सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचा कारखाना कर्मचारी और कई प्लेटफॉर्म पर काम करने वाला डिलीवरीकर्मी- सभी को अपनी जमा-पूंजी और पेंशन पर भरोसा होना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं,कुमार रोहित)

क्या 'स्मार्ट चश्मे' हमारी निजता में ताकझांक करने लगे हैं?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा है कि



उन्हें और दूसरे विपक्षी नेताओं को स्टिंग ऑपरेशन में फंसाने के लिए मेटा के स्मार्ट ग्लास का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पहले जंतर-मंतर के सीजेपी आंदोलन में भी ऐसे चश्मों और कैमरों से आंदोलनकारियों के फेशियल सर्विलांस पर विवाद हुआ था।उस मामले में राज्यसभा सांसद रहीम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच सुनवाई कर रही है। ये सच है कि अपराध रोकने के लिए पुलिस को कानूनी प्रक्रिया के तहत निजी जानकारी जुटाने का अधिकार है। नियमों का उल्लंघन होने पर दोषी के खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है। स्मार्ट चश्मे दिव्यांगों के लिए मददगार हैं। लेकिन मेटा, सैमसंग, गूगल, अमेजन जैसी टेक कम्पनियां डेटा जुटाने, मुनाफा बढ़ाने और सोशल मीडिया के विस्तार के लिए स्मार्ट चश्मों के कारोबार को बढ़ा रही हैं। इसके 5 पहलुओं को समझना होगा। 1. कैमरा, माइक्रोफोन, स्पीकर से लैस इन चश्मों से सामने वाले की सहमति के बिना ऑडियो रिकॉर्डिंग या वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल किया जा सकता है। विवाद बढ़ने के बाद इंस्टाग्राम ने कहा कि समुद्रतट, जिम और सड़कों में अनजान महिलाओं के वीडियो वाले कंटेंट पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। पर मेटा व दूसरी कम्पनियां ऐसे दुरुपयोग की कानूनी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं हैं। 2. गुजरात के 46,000 सरकारी स्कूलों में जेन-जी आंदोलनकारियों को वीडियो बनाने से रोकने के लिए शिक्षा विभाग ने सर्कुलर जारी किया है। संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार बच्चों की सुरक्षा, निजता के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का 2017 का फैसला और डेटा सुरक्षा कानून के प्रावधानों का सरकारी आदेश में जिक्र है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पॉक्सो और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की बात लिखी है। 3. नीट और अन्य परीक्षाओं में तकनीक के दुरुपयोग से पेपर लीक और नकल का मर्ज लाइलाज हो रहा है। क्रिकेट में सट्टेबाजी के लिए ऐसे चश्मों के दुरुपयोग को रोकने वेज लिए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को आगाह किया है। निजी जासूसी एजेंसियों को कानून के दायरे में लाने के लिए 2007 में राज्यसभा में बिल पेश हुआ था, जिसे 2020 में वापस ले लिया गया। तलाक के मामले में निजी एजेंसियों द्वारा जासूसी के मामले में सुप्रीम कोर्ट के जज संजय करोल और विपुल पंचोली की पीठ ने जुलाई में आदेश पारित किया है। उसके अनुसार गैर-कानूनी तरीके से एकत्र किए सबूतों की साक्ष्य अधिनियम के तहत वैधता नहीं है। 4. अमेजन के एलेक्सा में डेटा के दुरुपयोग के खिलाफ अमेरिका में क्लास एक्शन सूट के तहत बड़े हर्जाने की मांग हुई थी। अब स्मार्ट चश्मों पर आयरलैंड में डेटा सुरक्षा आयोग ने मेटा को नोटिस जारी किया है। ब्रिटेन की अदालतों, पब और सिनेमाघरों में, नॉर्वे के स्कूलों में और ऑस्ट्रेलिया के सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट चश्मों पर रोक लग रही है। अमेरिका में सुरक्षा एजेंसियों ने इनके दुरुपयोग पर चिंता जाहिर की है। जबकि जर्मनी में मेटा और अन्य कम्पनियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज हुई है। 5. महिलाओं को चोरी-छिपे देखने, उनका पीछा करने या उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग करने के मामलों में आईपीसी, बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज होने के साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार स्मार्ट चश्मों से जासूसी, बच्चों की सुरक्षा और महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ की इजाजत नहीं दी सकती।

इनकी बिक्री और दुरुपयोग रोकने के लिए टेक कम्पनियों के खिलाफ कानूनों का अनुपालन नहीं हो रहा है। स्मार्ट चश्मों पर भारत के कानून लागू हों, ये जरूरी है। स्मार्ट चश्मों से जासूसी, बच्चों की सुरक्षा और महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ की इजाजत नहीं दी सकती। लेकिन इनकी बिक्री और दुरुपयोग रोकने के लिए टेक कम्पनियों के खिलाफ कानूनों का अनुपालन नहीं हो रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

हम अपने उद्यमियों का सम्मान करना सीखें

पिछले हफ्ते जामनगर अखबारों और चैनलों की सुर्खियों में छाया रहा था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राजदूत सर्जियो गोर के रिलायंस की रिफाइनरी टाउनशिप के दौरे के कारण यह शहर राजनीति की रडार स्क्रीन पर छाकर चर्चाओं का विषय



बन गया। अम्बानी परिवार ने जब इन मेहमानों की मेजबानी की तो यह भी चर्चा का मुद्दा बना। सवाल उभरने लगे कि अमेरिका भारत की इस रिफाइनरी में इतनी दिलचस्पी क्यों ले रहा है? वे अम्बानी को वेनेजुएला से तेल खरीदने के लिए क्यों कह रहे हैं? वे भारत को रिफाइनिंग का 'सुपर पावर' क्यों कह रहे हैं और हमें इसकी क्षमता बढ़ाने के लिए क्यों कह रहे हैं? कुल मिलाकर यह कि रुबियो और गोर अन्य विदेशी मेहमानों की तरह दिल्ली या बेंगलुरु तक सीमित न रहकर जामनगर में क्यों हैं? यूपीए वाले दौर को याद कीजिए। उस दौरान पश्चिमी देशों के शासक जब इंफोसिस या दूसरी टेक कंपनियों के दौरे कर रहे थे, तब कोई विवाद नहीं उठा था। तब सबने इसे राष्ट्रीय गौरव माना था। और सभी राजनीतिक हलकों की भी यही राय थी। यहां तक कि वाम दलों ने भी कॉर्पोरेट विरोधी अपने तेवर को परे कर दिया था। तो अब इतना संदेह, संशय और उन्माद क्यों? कहा जा रहा है कि जब रूस इतना करीब है, तब अम्बानी (या भारत) पर वेनेजुएला जैसे दूर देश से तेल खरीदने का दबाव क्यों डाला जा रहा है? जरूर यह पुतिन को सकते में डालने के मकसद से हमें रूस से अलग करने और अमेरिकी नियंत्रण वाले वेनेजुएला का तेल खरीदने को मजबूर करने की चाल है। लेकिन तथ्यों की सरसरी जांच में ये बातें टिकती नहीं हैं। रूस से भारत जितना तेल खरीदता है, उसकी मात्रा में कोई नाटकीय कमी नहीं आई है और न आने की संभावना है। भारत को अगर रिफाइनिंग का सुपर पावर कहा जा रहा है तो यह न केवल एक बड़ी प्रशंसा है, बल्कि यह हमें हमारी राष्ट्रीय शक्ति के एक नए तत्व की भी याद दिलाती है। भारत जैसे विशाल देश के पास अगर हाइड्रोकार्बन न के बराबर हो, तब वह क्या करे? दूसरे देश अपनी धरती या समुद्र के अंदर से जो कच्चा तेल निकालते हैं, उसकी रिफाइनिंग की वैश्विक स्तर वाली क्षमता वह विकसित करे। बिना रिफाइनिंग के कच्चा तेल किसी काम का नहीं होता। एनर्जी का उपभोग जिस तरह बढ़ रहा है, उसे तमाम देशों की तेल शोधन क्षमता पूरा नहीं कर पा रही है।भारत ने इस कमी को पूरा किया। अम्बानी की दूरदर्शिता यह भी है कि उन्होंने वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल की रिफाइनिंग की चुनौती को कबूल किया और इसमें छिपे अवसर को पहचाना। अगर इसने भारत को रिफाइनिंग का सुपर पावर बना दिया, तो क्या इस पर हमें वैसा ही गर्व नहीं होना चाहिए, जैसा हमें हमारी टेक कंपनियों और बेंगलुरु से आउटसोर्सिंग पर होता है? आइए, हम कुछ हकीकतों को पहचान लें। आज अमेरिका को खासकर वेनेजुएला के वैक्स की अधिकता वाले कच्चे तेल की ग्लोबल रिफाइनिंग क्षमता की जो जरूरत आन पड़ी है, उसका रणनीतिक, राजनीतिक और आर्थिक महत्व है। रणनीतिक इसलिए कि अमेरिका ने वेनेजुएला में कुछ समय पूर्व जबरन सत्ता परिवर्तन करवाया था। वेनेजुएला के पास दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा भंडार है। वे जब दुनिया के पश्चिमी भाग को अपने हितों के हिसाब से ढालने की कोशिश कर रहे हैं, तब उन्हें अपनी सफलता को व्यापारिक दृष्टि से भी मुकम्मल करने की जरूरत महसूस हो रही है। इस रस्साकशी में भारत का कुछ भी दांव पर नहीं लगा है। राजनीतिक पहलू यह है कि ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की बहुतायत होगी तो कीमतें घटेंगी। ईरान में हालात सामान्य नहीं दिख रहे हैं। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान में हालात और बिगड़ सकते हैं। और जहां तक आर्थिक पहलू की बात है, वेनेजुएला जो तेल बेचेगा। उसमें अमेरिका को भी 'हिस्सा' मिलेगा। दुनिया के बाजारों में रिफाइंड प्रोडक्ट की जितनी बहुतायत होगी, अमेरिका में ईंधन की कीमतें उतनी ही गिरेंगी। कहा जा सकता है कि अमेरिका में मध्यावधि चुनाव देर से हो रहे हैं। लेकिन अमेरिकी सिस्टम में, अगले राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी मध्यावधि चुनाव के बाद से ही शुरू हो जाती है, खासकर तब जब मौजूदा राष्ट्रपति अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहा हो। इस समय ट्रम्प की पार्टी का सितारा बुलंद नहीं है, इसलिए वह चाहती है कि महंगाई और गैसोलीन की कीमतों में कमी आए। इसके लिए ज्यादा कच्चा तेल चाहिए और ज्यादा रिफाइनिंग चाहिए। अमेरिका वेनेजुएला के तेल के सबसे बड़े आयातकों में शामिल है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में भारी कच्चे तेल की उसकी कई रिफाइनरियां बंद हो गईं, क्योंकि अमेरिका की अर्थव्यवस्था संसाधन पर निर्भर क्षेत्रों पर कम और अधिक 'सॉफ्ट' तथा धनी क्षेत्रों की ओर ज्यादा मुड़ गई है- जैसे टेक, वित्त, रॉकेट विज्ञान और अब एआई। मोटे तौर पर आप कह सकते हैं कि टेक्सस, डेट्राइट तथा इस्पात व वाहन आदि का उत्पादन करने वाले क्षेत्रों ने सिलिकन वैली, सिएटल, और न्यूयॉर्क आदि के लिए जगह खाली कर दी है। ऐसी स्थिति में भारत के सिवा भला कौन देश दुनिया के लिए रिफाइनर की भूमिका निभा सकता है? यूरोप में रिफाइनिंग की न्यूनतम क्षमता रह गई है। पश्चिम एशिया विस्तार करने की सोच नहीं सकता, क्योंकि ईरान के लड़ाके क्षेत्र में मिसाइलों और ड्रोनों के साथ घूम रहे हैं। अकसर कहा जाता है कि बेंगलुरु में कोई अनहोनी घट गई या इंटरनेट बंद हो गया तो दुनिया ठहर जाएगी। रिफाइनिंग को भी ऐसा तत्व क्यों न बनाया जाए? भारत को तो और ज्यादा रिफाइनरी बनानी चाहिए, वह भी कम लागत से। रिलायंस को एक और जामनगर बनाना चाहिए, खासतौर से पूर्वी समुद्री क्षेत्र के पास। कुछ को तो स्माल मॉड्युलर रिएक्टरों के साथ बनाया जा सकता है। आशंकाएं हर तरफ से जाहिर की जा रही हैं। वाम पक्ष से तो इसकी उम्मीद की ही जा सकती है, लेकिन दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी पक्ष भी आशंकाएं जाहिर कर रहे हैं। आज की कांग्रेस का झुकाव फिलहाल वामपंथी है। दक्षिणपंथी खेमा भी भ्रमित दिख रहा है। अमेरिका ही क्यों? और अम्बानी क्यों? वास्तव में अमेरिका-विरोध भारत की पुरानी, गहरी और स्वाभाविक मुद्रा रही है। यह सभी राजनीतिक पक्षों में व्याप्त है और भाजपा अथवा उसके समर्थक भी इससे मुक्त नहीं हैं। ऐसे और समूहों की दरकार:- भारत में अम्बानी, टाटा, अदाणी, बिरला, जिंदल, भारती जैसे समूह हैं। हमें ऐसे और समूह चाहिए। वे दुनियाभर के लिए और ज्यादा रिफाइनरियां, स्टील प्लांट, स्मेल्ट कॉपर तैयार करें; सॉफ्टवेयर बनाएं, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का गठन करें, बिजली संयंत्र लगाएं। भारत को अपने उद्यमियों का सम्मान करना सीखना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,शेखर गुप्ता)

विरोध ठीक है पर जनता के हितों का भी ध्यान रखना होगा

कांग्रेस द्वारा 1 नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित की जाने वाली महारैली एक राजनीतिक भूल साबित हो सकती है। 'वोट बचाओ, देश



बचाओ' वेज नारे वेज साथ आयोजित इस रैली से 'इंडिया' गठबंधन को उम्मीद है कि वह रामलीला मैदान में दस लाख लोगों को जुटा सकेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इसके जरिये चुनाव आयोग पर दबाव बनाना चाहते हैं। इसकी वजह बंगाल, महाराष्ट्र, असम, हरियाणा, दिल्ली के चुनावों में कथित 'वोट चोरी' में आयोग की भूमिका है। हालांकि इन आरोपों के दायरे से तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, हिमाचल, पंजाब, केरल के चुनावों को बाहर रखा जाता है! कांग्रेस को लग रहा है कि चुनाव आयोग के खिलाफ चलाए अभियान की धार हाल के दिनों में कमजोर पड़ी है। महारैली का उद्देश्य उसमें फिर से जान फूंकना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यूपी में फरवरी-मार्च 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2027 में ही छह अन्य राज्यों- पंजाब, गुजरात, मणिपुर, उत्तराखंड, हिमाचल और गोवा में भी चुनाव होंगे। विपक्ष का मानना है कि 1 नवंबर की महारैली मतदाताओं के मन में 'वोट चोरी' को लेकर संदेह पैदा कर सकती है, जिससे वे एनडीए को वोट देने से पहले दो बार सोचने पर मजबूर होंगे। लेकिन यह दांव उलटा भी पड़ सकता है। दिल्ली वेज व्यापारियों के संगठन ने राहुल को पत्र लिखकर उनसे दिवाली के बाद तक रैली टालने का आग्रह किया है। राहुल को भेजे औपचारिक पत्र में चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कहा कि रैली के कारण यातायात बाधित हो सकता है और धनतेरस तथा दिवाली की खरीदारी के सीजन में खुदरा बाजारों को बंद करना पड़ सकता है। इससे दस हजार करोड़ तक का नुकसान हो सकता है। पत्र में यह भी बताया गया है कि रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, खारी बावली, करोल बाग, लाजपत राय सहित 20 बड़े बाजार हैं। 'इंडिया' गठबंधन की यह रैली न केवल व्यापारी समुदाय को नाराज कर सकती है, बल्कि त्योहार के समय घरों में रहने को मजबूर होने वाले दिल्लीवासियों को भी उससे विमुख कर सकती है। ऐसे में विपक्ष अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी क्यों मार रहा है? वह सीटीआई के सुझाव के मुताबिक दिवाली के बाद 10 नवंबर को भी रैली आयोजित कर सकता है। शायद इस जल्दबाजी की वजह कांग्रेस की यह चिंता है कि 'वोट चोरी' के मुद्दे पर जनभावनाओं का रुख बदला है। सीजेपी के सह-संयोजकों सौरव दास और आशुतोष रांका के खिलाफ हाल में आए अदालती फैसलों के साथ-साथ आइसा की नेहा बोरा पर अदालत की टिप्पणियों ने भी जनमानस के रुख में आ रहे बदलाव को रेखांकित किया है। सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर प्रक्रिया वेज खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियों से कांग्रेस नेताओं की चिंता बढ़ी है। उन्हें आशंका है कि फैसला जल्द नहीं आएगा और जब आएगा भी, तो जरूरी नहीं वह कांग्रेस के हित में हो। यही वजह है कि विपक्ष के लिए रामलीला मैदान की रैली चुनाव आयोग के खिलाफ जनमत तैयार करने का जरूरी जरिया बन गई है। इसके पीछे का तर्क भले ही सही हो, लेकिन दिवाली से ठीक पहले रैली आयोजित करने का समय उचित नहीं।

कांग्रेस दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी भारत के मतदाताओं को नाराज क्यों करना चाहेगी, जबकि उसे यूपी में उन्हीं के वोटों की सबसे ज्यादा जरूरत है? इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि सोनिया गांधी के संस्मरणों की किताब 10 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। अगर रैली को दिवाली के बाद 10 नवंबर तक टाला जाता तो इसका मतलब होता सोनिया की किताब के विमोचन की तारीख भी आगे बढ़ाना! (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)

भारत और पाक के रिश्ते अब स्थायी रूप से बदल चुके हैं

दशकों तक यह स्थिति बनी रही थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद तनाव कम होता और औपचारिक शांति वार्ता शुरू



होती। लेकिन अंततः यह प्रक्रिया एक बार फिर संघर्ष में तब्दील हो जाती। अब यह सिलसिला टूट चुका है। 2016 के बाद से दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय वार्ता नहीं हुई है। यह महज कूटनीतिक नाराजगी का कोई अस्थायी दौर नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति में आए एक बुनियादी बदलाव का संकेत है, जिसने उपमहाद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को स्थायी रूप से बदल दिया है। इस गतिरोध की जड़ें अतीत की कूटनीति विफलताओं में खोजी जा सकती हैं। 1947, 1965 और 1971 में पाकिस्तान ने पारंपरिक युद्ध शुरू किए, लेकिन किसी में उसे मनचाहा परिणाम नहीं मिला। तीसरे युद्ध के परिणामस्वरूप पाकिस्तान का विभाजन हुआ और बांग्लादेश का जन्म हुआ। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं के खिलाफ अमेरिकी समर्थन प्राप्त मुजाहिदीन की सफलता ने पाकिस्तान को एक नई रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह रणनीति आतंकवाद पर आधारित थी। 1989 से 1993 के बीच जब आतंकवादी हमलों में भारत में आम नागरिक मारे जा रहे थे, तब पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी यह कहकर अपनी पीठ थपथपाते थे कि वे भारत को 'हजार घाव देकर नष्ट कर देंगे।'इसके बावजूद, भारतीय नेताओं का यह विश्वास बना रहा कि सुनियोजित वार्ता के जरिये पाकिस्तान को यह रणनीति छोड़ने के लिए राजी किया जा सकता है। लेकिन भारत की ओर से शांति की दिशा में की गई हर बड़ी पहल का जवाब सैन्य उकसावे या आतंकवादी कार्रवाई से दिया गया। पाकिस्तानी सरकार या तो इन घटनाओं को रोकने में असमर्थ थी या उन्हें रोकने की इच्छुक नहीं थी। 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ऐतिहासिक बस यात्रा करके लाहौर पहुंचे और एक महत्त्वपूर्ण शांति घोषणा पर हस्ताक्षर किए, ठीक उसी समय पाकिस्तानी सैनिक कारगिल में घुसपैठ कर रहे थे। 2008 में जब पर्दे के पीछे चल रही कूटनीतिक बातचीत कश्मीर मुद्दे के किसी गैर-क्षेत्रीय समाधान तक पहुंचने के कगार पर थी, तब 26/11 हो गया। इसने पाकिस्तान की संस्थागत व्यवस्था के भीतर मौजूद एक गहरी खाई को उजागर कर दिया। उसकी असैन्य सरकारों के पास वार्ता की मेज पर किए गए वादों को पूरा करने के लिए न तो पर्याप्त अधिकार थे, न ही वे इतने लंबे समय तक सत्ता में टिक पाती थीं कि उन वादों को निभा सकें। दूसरी ओर, उसकी सैन्य-खुफिया व्यवस्था भारत के साथ शांति को अपने वर्चस्व के लिए खतरे के रूप में देखती थी। लेकिन अब भारत का सब्र जवाब दे चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में तो शांति स्थापित करने की पुरानी कूटनीतिक परंपरा का ही अनुसरण किया। उन्होंने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में नवाज शरीफ को आमंत्रित किया और अगले वर्ष स्वयं लाहौर गए। यहां तक कि पठानकोट स्थित भारतीय वायुसेना के अड्डे पर आतंकवादी हमले के बावजूद मोदी ने शरीफ को इस घटना की आधिकारिक जांच में शामिल होने का न्योता दिया। लेकिन इसके बाद वह घटना हुई, जिसने भारत के धैर्य की सीमा समाप्त कर दी। पाकिस्तान की संयुक्त जांच टीम ने निष्कर्ष निकाला कि यह हमला दरअसल 'पाकिस्तान को बदनाम करने के लिए भारत द्वारा रचा गया स्वांग' था। इसके साथ ही भारत ने रणनीतिक संयम की अपनी नीति छोड़ दी और एक नए सिद्धांत को मार्गदर्शक बना लिया : बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत वार्ता की मेज पर तभी लौटेगा, जब पाकिस्तान राज्य-समर्थित आतंकवादी नेटवर्कों को ध्वस्त कर देगा। इस कूटनीतिक बदलाव के साथ भारत के सैन्य सिद्धांत में भी एक बुनियादी परिवर्तन आया। लगभग तीन दशकों तक पाकिस्तान यह मानकर चलता रहा था कि उसका परमाणु हथियारों का जखीरा भारत को आतंकवादी हमलों के जवाब में पारंपरिक सैन्य कार्रवाई करने से रोक देगा। लेकिन विशेष रूप से पिछले वर्ष चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ ही भारत ने पाकिस्तान की इस धारणा को भी चुनौती दे डाली है। जब तक पाकिस्तान में ऐसा राजनीतिक बदलाव नहीं होता, जो उसकी सोच और प्राथमिकताओं को बुनियादी तौर पर बदल दे, तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की मेज पर खामोशी बनी रहेगी। अब यही न्यू-नॉर्मल है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,शशि थरूर)

चुनाव प्रक्रिया का प्रश्न सत्ता व विपक्ष तक ही सीमित नहीं है

एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद में एक दिलचस्प विसंगति दिखलाई देती है। यह कि विपक्षी दल तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन आयोग स्वयं अपने कामकाज को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देने से कतरा रहा है। खबरों के अनुसार तीन में से दो निर्वाचन आयुक्तों- सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने दस महीनों के दौरान कम से कम 14 मौकों पर एसआईआर से जुड़े फैसलों और प्रक्रियाओं पर आपत्तियां दर्ज की थीं। बताया गया कि ये आपत्तियां फॉर्म 6 में किए गए बदलावों, मतदाता सूची से संबंधित सॉफ्टवेयर पर नियंत्रण वेज केंद्रीकरण, बंगाल में मतदाताओं के नाम बहाल किए जाने के खिलाफ अपीलों और ऐसे फैसलों से जुड़ी थीं, जिन्हें कथित तौर पर पूरे आयोग की जानकारी या मंजूरी के बिना लिया गया था। ये गंभीर आरोप हैं। इनके कारणों की व्याख्या संभव है, लेकिन इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब उस तंत्र की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक लोकतांत्रिक भागीदारी के अपने सबसे बुनियादी अधिकार का प्रयोग करता है, तो उन सवालों का जवाब देने की पूरी जिम्मेदारी भी उसी तंत्र की होती है। इसके बजाय, निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि आंतरिक टिप्पणियां और आपत्तियां चुनावी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए संस्थागत विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। आयोग ने यह भी दावा किया कि पिछले एक वर्ष के दौरान आयोग द्वारा लिए गए सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। लेकिन यह नहीं बताया गया कि फॉर्म 6 में विवादित बदलाव को मंजूरी किसने दी, बंगाल में बहाल किए गए मतदाताओं के नामों के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति किसने दी,

लोन की किस्त नहीं चुकाई, एजेंट्स ने किसान को उठाया,3 दिन बाद फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लाश मिली

मुंबई। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था। तीन दिन बाद उनका शव मिला। चंद्रकांत शिंदे नांदेड जिले के मुदखेड़ तहसील के मलकोठा गांव के रहने वाले थे। पत्नी की शिकायत के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम को दो अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक मोटरसाइकिल पर बैठाया और फाइनेंस कंपनी ऑफिस ले गए। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। नांदेड एसपी के मुताबिक पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें फाइनेंस ऑपरेशन चलाने वाला मुख्य आरोपी असलम भी शामिल है। मामले की जांच के लिए 9 सदस्यों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई। फाइनेंस कंपनी का ऑफिस सील कर दिया गया है और तीन जगह छापेमारी की गई है। सूखा प्रभावित गांवों में कर्ज की परेशानीः-यह घटना नांदेड जिले के कुछ हिस्सों में किसानों की आर्थिक परेशानी के बीच हुई है। जिले के कई गांवों में सूखे जैसी स्थिति बताई जा रही है। एसपी से पूछा गया कि क्या सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों से लोन वसूली को लेकर फाइनेंस कंपनियों के लिए कोई खास गाइडलाइन जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। हालांकि, जिला कलेक्टर के साथ बैठक की गई है। एसपी ने कहा, 'अगर कहीं गैरकानूनी तरीके से लोन वसूली हो रही है, तो नागरिक सामने आएं। उचित कार्रवाई की जाएगी।' पुलिस ने जयकुमार उर्फ भैया भगवान गायकवाड़ (22), शेख आमिर शेख साहेब हुसैन (25), इमरान खान शाहबाज खान (40) और शेख मुदस्सिर शेख खादीर (24) को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी के फरार होने का दावा गलत बताया:- रिकवरी एजेंटों की गिरफ्तारी और मुख्य आरोपी के फरार होने के दावे पर एसपी ने इसे गलत बताया। उन्होंने कहा कि एसआईटी सभी लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। जब एसपी से पूछा गया कि शिंदे की मौत आत्महत्या है या हत्या, तो उन्होंने जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस बारे में विवरण नहीं दिया जा सकता। चंद्रकांत शिंदे के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां, दो बेटे और मां हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र पहले नंबर पर:- किसान आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2023 में पूरे भारत में खेती-किसानी से जुड़े कुल 10,786 आत्महत्या के मामले सामने आए थे। इसमें से अकेले महाराष्ट्र में 4,151 केस थे। इनमें 4690 किसान थे और 6096 खेत मजदूर थे। एनसीआरबी कारण के आधार पर डेटा नहीं देता, पर महाराष्ट्र सरकार की रेवेन्यू डिपार्टमेंट की रिपोर्ट कहती है विदर्भ-मराठवाड़ा (यवतमाल, अमरावती, नांदेड़, बीड) में 80फीसदी से ज्यादा केस में आत्महत्या का कारण फसल खराब होना, निजी साहूकार/फाइनेंस कंपनी का कर्ज होता है। किसानों की कैश क्रॉप (कपास, सोयाबीन) पर निर्भरता है, यानी इनकी इनपुट कॉस्ट ज्यादा, इसलिए साहूकार से 24-36फीसदी ब्याज पर लोन लेते हैं। महाराष्ट्र में अवैध साहूकारी और जबरन वसूली के केस 2023 में 1247 थे। नांदेड़ जिले में ही पिछले 2 साल में 9 किसान लोन रिकवरी एजेंटों द्वारा मारपीट/बंधक बनाने की एफआईआर हुई हैं।



पूर्व जस्टिस कौल बोले-सरकारों को सहमत जज पसंद आते हैं,कॉलेजियम को स्वतंत्र फैसले लेने चाहिए

दिसंबर 2023 में वह उस पांच जजों की पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को बरकरार रखा। जम्मू-कश्मीर में हिंसा परः जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से हुई हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं को स्वीकार करना जरूरी हैं। उन्होंने हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच के लिए निष्पक्ष सत्य एवं सुलह आयोग बनाने का सुझाव दिया। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है। राफेल विमान सौदे परः उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि रक्षा सौदों में अदालत सरकार के फैसलों की जगह अपना फैसला नहीं थोप सकती। सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक जज की नियुक्ति परः- सौरभ कृपाल के नाम की सिफारिश अक्टूबर 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट और नवंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की थी। नवंबर 2022 में केंद्र सरकार ने इस सिफारिश पर आपत्ति जताते हुए फाइल वापस भेज दी। इसके बाद जनवरी 2023 में कॉलेजियम ने दोबारा उनके नाम की सिफारिश की, लेकिन नियुक्ति नहीं हो सकी। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ः पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध थे, लेकिन जजों की नियुक्ति के मामले में उनकी सोच अलग थी। चंद्रचूड़ कई बार सरकार के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखने में नरम पड़ जाते थे। जजों की नियुक्ति परः हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति जल्द होनी चाहिए, ताकि योग्य वकील यह जिम्मेदारी स्वीकार करने से पीछे न हटें। लंबी और जटिल प्रक्रिया से अच्छे उम्मीदवारों का मन बदल सकता है। सरकार को जरूरी जानकारी देना ठीक है, लेकिन इससे नियुक्तियों में देरी नहीं होनी चाहिए। उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत परः- जस्टिस कौल ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं मिलने पर चिंता जताई। भारत में कई बार दोष साबित होने से पहले लंबे समय तक जेल में रहना ही सजा बन जाता है। उमर खालिद और शरजील इमाम पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की कथित साजिश में शामिल होने का आरोप है। इस हिंसा में 53 लोगों की मौत हुई थी। दोनों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी को और दिल्ली हाईकोर्ट ने सितंबर में उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। कोर्ट और राजनीतिक लड़ाई परः कोर्ट का इस्तेमाल सरकार के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए नहीं होना चाहिए। राजनीतिक मुद्दे दूसरे मंचों पर उठाए जाने चाहिए, लेकिन कानूनी सवालों पर अदालत सुनवाई कर सकती है। कोर्ट का काम संविधान की रक्षा करना और सरकार के कामकाज पर नजर रखना है, न कि विपक्ष के हथियार के रूप में काम करना। उनका यह बयान चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष की याचिका के बीच आया। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राजनीतिक ध्रुवीकरण के दौर में संवैधानिक संस्थाओं पर लोगों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है।



ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारने वाले नेता भागे अमेरिका, बोल्सोनारो की पत्नी और दो बेटियां भी साथ

ब्राजीलिया। वहीं, ब्राजील की पुलिस का कहना है कि फ्लावियो किसी आधिकारिक बॉर्डर चेकपोस्ट से देश छोड़कर नहीं गए। पिता भी चुनाव हारने के बाद अमेरिका गए थेः-फ्लावियो के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो ने भी 2022 में लूला से चुनाव हारने के बाद नतीजों को स्वीकार नहीं किया था। वे अमेरिका चले गए थे और लंबे समय तक वहीं रहे। बाद में ब्राजील लौटने पर उन्हें तख्तापलट की साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया गया और 27 साल जेल की सजा सुनाई गई। फ्लावियो के छोटे भाई एडुआर्डो बोल्सोनारो भी अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने चुनाव से पहले कहा था कि अगर फ्लावियो चुनाव हारते हैं, तो उन्हें ब्राजील छोड़ देना चाहिए। फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांचः-फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी समेत कई मामलों में जांच चल रही है। इनमें उनके पिता की जिंदगी पर फिल्म बनाने के लिए पैसे जुटाने से जुड़ा मामला भी शामिल है। फ्लावियो ने माना था कि उन्होंने पूर्व बैंकर डेनियल वोरकारो से फिल्म के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर जुटाने की कोशिश की थी। हालांकि, उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। फ्लावियो ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा था कि उन्होंने कभी देश छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने पासपोर्ट जमा करने और अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का सामना करने की बात भी कही थी। ट्रम्प ने भी ब्राजील चुनाव पर सवाल उठाएः-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्राजील के चुनाव नतीजों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने बिना सबूत चुनाव में धांधली का दावा किया। फ्लावियो ने अपने चुनाव अभियान के दौरान अमेरिका के साथ रिश्ते मजबूत करने का वादा किया था। वहीं, लूला ने ट्रम्प पर ब्राजील के चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया है।



पाक के करीब जा रहे मालदीव राष्ट्रपति, विपक्ष ने चेताया,कहा- भारत को खतरा लगा तो नतीजा भुगतना पड़ेगा

इस्लामाबाद/माले। पाकिस्तान ने भारत के इस फैसले का विरोध किया है।मुइज्जू ने दौरे के दौरान कश्मीर या सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के पक्ष का सार्वजनिक रूप से समर्थन नहीं किया। लेकिन उनकी मौजूदगी में हुई यह बातें अब सवालों के घेरे में हैं। भारत ने कहा- समझौतों पर नजर रख रहे हैंः-मुइज्जू के पाकिस्तान दौरे पर भारत ने भी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 24 अक्टूबर को कहा कि भारत दोनों देशों के बीच हुए समझौतों पर करीब से नजर रख रहा है। भारत के लिए मालदीव रणनीतिक रूप से अहम है। यह देश हिंद महासागर के उन समुद्री रास्तों के करीब है, जहां से अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है। ऐसे में वहां रक्षा और समुद्री सुरक्षा से जुड़े बदलाव भारत के लिए भी मायने रखते हैं। भारत से तनाव का मालदीव की अर्थव्यवस्था पर असरः- पर्यटन पर असरः मालदीव की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पर्यटन पर निर्भर है। 2023 में 2.09 लाख से ज्यादा भारतीय पर्यटक मालदीव पहुंचे थे। 2025 में यह संख्या करीब 1.32 लाख रही। भारत से जरूरी सामान आता हैः 2024 में मालदीव के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी करीब 41फीसदी थी। भारत से चावल, सब्जियां, दवाइयां और सीमेंट जैसे जरूरी सामान जाते हैं। कारोबार प्रभावित हो सकता हैः भारत से तनाव बढ़ने पर व्यापार और हवाई संपर्क पर असर पड़ सकता है। इससे मालदीव में सामान की सप्लाई और पर्यटन से जुड़े कारोबार को नुकसान हो सकता है। आम लोगों पर भी असर पड़ेगाः लंबे समय तक तनाव रहने पर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ सकती हैं और पर्यटन से जुड़े लोगों की कमाई घट सकती है। 'इंडिया आउट' अभियान के सहारे सत्ता में आए थे मुइज्जूः- मुइज्जू के पाकिस्तान दौरे को उनके पुराने भारत विरोधी रुख से जोड़कर भी देखा जा रहा है। 2023 में वे 'इंडिया आउट' अभियान के सहारे सत्ता में आए थे। इस अभियान में मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की गई थी। हालांकि, इसके बाद मुइज्जू ने भारत से रिश्ते सुधारने की कोशिश की। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा को भी इसी दिशा में अहम कदम माना गया। अब मालदीव में विपक्ष ने आरोप लगाया है कि मुइज्जू फिर से भारत को राजनीति का मुद्दा बना रहे हैं। मुइज्जू सरकार का कहना है कि उसकी विदेश नीति 'मालदीव फर्स्ट' यानी सबसे पहले मालदीव के हितों पर ध्यान देने की नीति है। ऐसे में उसके सामने पाकिस्तान से रिश्ते बढ़ाने के साथ भारत से संबंध बनाए रखने की चुनौती भी है। दोनों देशों के बीच रक्षा और समुद्री सुरक्षा से जुड़े सहयोग को लेकर भी संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।



तमिलनाडु जेल से फरार हुए 13 कैदी वापस पकड़े गए,ड्रोन से सर्चिंग की तो एक झाड़ियों में मिला, दूसरा ऑटो से भाग रहा था

चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से फरार 17 में से 13 कैदी गिरफ्तार हो चुके हैं।एक जेल के पीछे झाड़ियों में मिला। तीन सड़क पर चलते हुए और एक को ऑटोरिक्शा में चढ़ते हुए पकड़ा गया। आठ और को तमिलनाडु के थेनी शहर के पास एक जंगल वाले इलाके में ट्रैक किया गया, जहां ड्रोन और 300 से ज़्यादा पुलिस वाले सर्च में शामिल हुए। इन सभी को उठाकर पुलिस दोबारा जेल ले गई। बाकी 4 कैदियों की तलाश जारी है। इन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गईं। घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात 9 जेलकर्मी-अधिकारी लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिए गए हैं। कैदियों ने एक साथी को मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक किया। उसकी मदद के लिए जैसे ही जेलकर्मी सेल में पहुंचे, सभी ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए। तमिलनाडु में कैदियों के एक साथ फरार होने की यह 1995 के बाद बड़ी घटनाओं में से एक है। तब वेल्लोर किले के अंदर बने विशेष हिरासत केंद्र से एलटीटीई के 43 संदिग्ध सुरंग बनाकर फरार हो गए थे। उस सुरंग की लंबाई करीब 153 फीट (47 मीटर) थी। एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट, अस्पताल में भर्ती:-पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कैदियों ने बताया था कि एक कैदी को दौरे पड़ रहे हैं। इसके बाद जेल कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी सेल का दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे सभी कैदियों ने उन पर हमला कर दिया। घटना में 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। थेनी जिला जेल में तैनात ग्रेड-2 पुलिसकर्मी थंगापांडी के सिर में चोट आई है। उन्हें जी. विलाक्कु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो अन्य जेलकर्मियों को भी मामूली चोटें आई हैं। 16 जगहों पर चेकपोस्ट, वाहनों की जांच जारी:-घटना के बाद आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। पड़ोसी डिंडीगुल जिले में 16 जगहों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। यहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच की जा रही है, ताकि फरार कैदियों को पकड़ा जा सके। डिंडीगुल के पुलिस अधीक्षक एस. जयकुमार ने चेकपोस्ट बनाए जाने की पुष्टि की है। पुलिस ने मदुरै, डिंडीगुल और केरल के इडुक्की जिले के अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दी है। फरार कैदियों की तस्वीरें सभी पुलिस थानों के बीच शेयर की गई हैं। विपक्ष ने सरकार पर उठाए सवालः- घटना के बाद विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सरकार पर जेल की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया है। डीएमके प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि चेन्नई की पुजल जेल से दो कैदियों के फरार होने की घटना के बाद अब थेनी से 17 कैदियों का भागना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के बावजूद इतनी बड़ी घटना होना स्वीकार नहीं किया जा सकता। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने भी जेल की सुरक्षा पर सवाल उठाए। बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता नारायणन थिरुपति ने इसे सरकार की नाकामी बताया।



बेंगलुरु मेट्रो में चोरी-छिपे महिला का वीडियो बनाने का आरोप,विरोध करने पर फोन लेकर भागा युवक-एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु। बेंगलुरु मेट्रो में सफर के दौरान एक महिला ने युवक पर चोरी-छिपे उसका वीडियो बनाने का आरोप लगाया। महिला की पहचान सौंपिका के रूप में हुई है। घटना मंगलवार शाम 4:30 बजे व्हाइटफील्ड में मेट्रो ट्रेन के अंदर हुई। महिला ने घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। महिला ने बताया कि उसने युवक का फोन पकड़ लिया था, लेकिन स्टेशन आने पर वह भागने लगा। महिला ने फोन सुरक्षा कर्मचारियों को दिया, लेकिन युवक उसे छीनकर भाग गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने महिला से घटना की जानकारी मांगी। बाद में पुलिस ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। महिला ने युवक को वीडियो बनाते हुए पकड़ लिया थाः-महिला ने युवक को पकड़कर फोन अनलॉक करने को कहा। महिला के मुताबिक, उसने युवक को चोरी-छिपे उसका वीडियो बनाते हुए पकड़ लिया था। वीडियो में मेट्रो के सुरक्षा कर्मचारी भी दिखाई दे रहे हैं। महिला ने वीडियो में अपने कपड़े दिखाते हुए कहा कि उसने पूरे कपड़े पहने हुए थे और उसके शरीर का कोई हिस्सा खुला नहीं था। उसने कहा कि इस घटना का उसके कपड़ों से कोई लेना-देना नहीं है। महिला ने वीडियो में लोगों से युवक को ढूंढने की अपील कीः-वीडियो में सौंपिका युवक से बार-बार पूछती है कि वह उसका वीडियो क्यों बना रहा था। वह उससे फोन अनलॉक करने को भी कहती है। इस पर युवक कहता है, मैं खोल दूंगा, फोन दो। इस दौरान मेट्रो के सुरक्षा कर्मचारी भी दिखाई देते हैं। महिला ने वीडियो में लोगों से युवक को ढूंढने की अपील की। उसने कहा कि उसकी कंपनी और परिवार का पता लगाया जाए। महिला के मुताबिक, उसने मेट्रो स्टेशन पर शिकायत दर्ज कराई थी। वहां उसे बताया गया कि सात दिन में आगे की कार्रवाई की जाएगी।



गुरुग्राम में लेडी सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गाड़ी में बंद किया,बोलीं- कैब ड्राइवर ने हाथ मरोड़ मारने की धमकी दी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में उबर कैब के ड्राइवर पर लेडी सॉफ्टवेयर इंजीनियर से बदतमीजी करने, उसे कार में लॉक करने के आरोप लगे हैं। इंजीनियर का आरोप है कि ड्राइवर ने तय किराए से ज्यादा पैसे मांगे और उसके साथ अभद्रता की। पीड़िता तनीषा के मुताबिक, उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट से गुरुग्राम आने के लिए ऊबर ऐप से कैब बुक की थी। ऐप पर किराया करीब 625 रुपए दिख रहा था, लेकिन ट्रिप खत्म होने पर ड्राइवर ने 1,479 रुपए मांगे। ड्राइवर ने दूसरी कैब सर्विस रैपिडो का स्क्रीनशॉट दिखाकर अतिरिक्त पैसे देने का दबाव बनाया। महिला ने एक्स पर पोस्ट कर उबर और गुरुग्राम पुलिस को मामले की शिकायत दी। आरोप है कि ड्राइवर ने घर तक पीछा किया और गेट खोलने की कोशिश करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर उबर ने ड्राइवर का अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। वहीं, पुलिस ने महिला का कॉन्टैक्ट नंबर लेकर जांच शुरू कर दी है। यहां सिलसिलेवार समझिएः-एयरपोर्ट से बुक की थी कैबः तनीषा के अनुसार, उसने एयरपोर्ट से गुरुग्राम जाने के लिए उबर कैब बुक की थी। यह उसका अब तक का सबसे बेकार एक्सपीरियंस रहा। ट्वीट कर तनीषा ने कहा, गुरुग्राम तक 20 मिनट की ट्रिप में ऐप पर ट्रिप का किराया करीब 625 रुपए दिख रहा था। रैपिडो का स्क्रीनशॉट दिखाकर मांगे पैसेः तनीषा के अनुसार, ट्रिप खत्म होने के बाद ड्राइवर ने उसे दूसरी कैब सर्विस रैपिडो का स्क्रीनशॉट दिखाया। इसमें 1,479 रुपए किराया दिख रहा था। ड्राइवर ने उससे इतनी रकम देने को कहा। तनीषा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उसने उबर कैब बुक की है, रैपिडो नहीं। पैसे देने से इनकार किया तो कार लॉक कीः- तनीषा के मुताबिक, उसने उबर ऐप पर दिख रहे 625 रुपए का भुगतान कर दिया। इसके बाद ड्राइवर ने कार लॉक कर दी और सामान बाहर निकालने से मना कर दिया। आरोप है कि सामान निकालने की कोशिश करने पर ड्राइवर ने उसका हाथ पकड़ लिया और खिड़की बंद कर दी, ताकि वह अपना सामान न निकाल सके। घर तक पीछा किया, गेट पर चढ़ने लगाः तनीषा ने ट्वीट में आगे कहा, किसी तरह सामान निकालने के बाद जब वह घर के अंदर जाने लगी, तो ड्राइवर उसके पीछे आ गया। उसने गेट खोलने की कोशिश की और गाली-गलौज की। जब घर के अंदर जाकर दरवाजा बंद करने लगी, इसके बाद भी ड्राइवर गेट पर चढ़ने लगा और जान से मारने की धमकी दी। इंजीनियर बोलीं- ऐप पर नहीं मिला सेफ्टी सपोर्टः-तनीषा के मुताबिक, घटना गुरुग्राम में सुबह करीब 4:45 बजे हुई। वह एयरपोर्ट से अपने घर पहुंची थी। उसने आरोप लगाया कि घटना के दौरान उबर के सेफ्टी सपोर्ट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन ऐप पर इसका विकल्प नहीं मिला। महिला ने एक्स पर उबर और गुरुग्राम पुलिस को टैग करते हुए पूरी घटना शेयर की। पोस्ट पर संज्ञान लेते हुए उबर ने आरोपी ड्राइवर जमील का अकाउंट ब्लॉक कर दिया। ट्विटर पर गुरुग्राम पुलिस ने भी मांगा कॉन्टैक्ट नंबरः- युवती की शिकायत पर उबर इंडिया सपोर्ट ने 26 अक्टूबर को एक्स पर जवाब दिया। कंपनी ने लिखा कि उसने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जवाब भेज दिया है, जिसे युवती डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में देख सकती है। वहीं, गुरुग्राम पुलिस ने भी एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए युवती से आगे की जरूरी कार्रवाई के लिए डीएम के जरिए कॉन्टैक्ट डिटेल साझा करने को कहा। पुलिस ने अपने जवाब में 'जय हिंद' भी लिखा।



दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग का एप लॉन्च,48 घंटे के भीतर दुकान पर जाकर लेनी होगी बोतल

नयी दिल्ली।18 लीटर बीयर और अधिकतम 9 लीटर व्हिस्की की लिमिटः- अधिकारियों के अनुसार इस 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप का इस्तेमाल करके शराब बुक करने के लिए व्यक्ति की उम्र कम से कम 25 साल होनी चाहिए। एक व्यक्ति 9 लीटर व्हिस्की और 18 लीटर बीयर से ज्यादा नहीं खरीद सकता। एक बार प्रोडक्ट बिकने या स्टोर से पिकअप होने के बाद उसे वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है, हालांकि स्टोर से बोतल उठाने से पहले बुक किए गए ऑर्डर को कैंसिल किया जा सकता है। ब्रांड देखकर पसंद की दुकान चुनकर कर सकते हैं बुकिंगः-अधिकारियों ने बताया कि ऐप पर ग्राहक उपलब्ध ब्रांड देख सकते हैं, अपनी पसंद की दुकान चुन सकते हैं, और बोतलों का साइज व मात्रा तय कर सकते हैं। लेकिन बेची गई या दुकान से ले ली गई शराब को वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि शराब की बोतल लेने से पहले बुक किए गए ऑर्डर को कैंसिल किया जा सकता है।



सुप्रीम कोर्ट बोला-एसिड बिक्री पर गाइडलाइन, फिर भी हमले क्यों

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसिड अटैक की घटनाओं से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उसने कहा कि गाइडलाइन बनी है, इसके बावजूद घटनाएं हो रही हैं। इसका मतलब है कि इसमें कुछ कमी है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि एसिड की बिक्री पर रोक वाली गाइडलाइन सभी राज्यों में लागू कराए। साथ ही हलफनामा देकर बताए कि एसिड के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए जरूरी कदम क्या होंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि एसिड आज भी बाजार में आसानी से मिल रहा है। केंद्र-राज्यों को मिलकर इसका समाधान करना होगा। कोर्ट ने केंद्र से जवाबदेही तय करने को कहाः- बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार को यह नहीं मान लेना चाहिए कि गाइडलाइन जारी करने के बाद उसकी जिम्मेदारी राज्यों पर आ गई।

करवा चौथ के दिन भी ऑफिस जाना हैःपूजा की तैयारी भी अकेले करनी है-मैं क्या करूं

नोएडा। सवाल- मैं 30 साल की हूं और एक प्राइवेट कंपनी में काम करती हूं। इस बार करवा चौथ के दिन भी ऑफिस जाना है, लेकिन ससुराल में इस त्योहार को लेकर बहुत उत्साह रहता है। मेरी सास चाहती हैं कि मैं सुबह सरगी से लेकर शाम की पूजा तक, सभी रस्में ठीक से निभाऊं। मुझे भी त्योहार मनाना अच्छा लगता है, लेकिन ऑफिस के साथ घर के सारे काम संभालना मुश्किल हो जाता है। मेरे पति घर के कामों में बिल्कुल हाथ नहीं बंटाते। जब उनसे मदद मांगती हूं, तो कहते हैं कि ये सब महिलाओं के काम हैं। मेरी थकान को कोई नहीं समझता। मैं अपने पति और सास को कैसे समझाऊं कि त्योहार की तैयारियां हम सबको मिलकर करनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। करवा चौथ कई परिवारों के लिए आस्था, प्रेम और परंपरा का त्योहार है। लेकिन कई महिलाओं के लिए यह दिन खुशी के साथ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी लेकर आता है। नौकरी, घर के काम, व्रत और पूजा की तैयारी। इन सबके बीच उनकी थकान अक्सर अनदेखी रह जाती है। आप भी ऐसी ही स्थिति में हैं। इसलिए सबसे पहले तो यह समझें कि आपकी परेशानी बिल्कुल जायज है। आपकी थकान और मदद की जरूरत वाजिब है। यह कोई बेजा मांग नहीं है। आपको त्योहार मनाना अच्छा लगता है। आप परिवार की परंपराओं का सम्मान भी करती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सारी जिम्मेदारी अकेले आप ही संभालें। सबसे पहले अपनी भावनाओं को समझें-जब आप पूरे दिन ऑफिस में काम करती हैं और घर लौटकर भी सारी जिम्मेदारियां आपको ही निभानी पड़ती हैं, तो थकान होना स्वाभाविक है। अगर इस थकान को समझने के बजाय पार्टनर और फैमिली इसे आपकी ही जिम्मेदारी बताएं तो मन में गुस्सा और दुख पैदा हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे भावनात्मक थकान और मानसिक बोझ से जोड़कर देखा जाता है। मानसिक बोझ का मतलब केवल काम करना नहीं है। इसमें यह सोचना भी शामिल है कि क्या बनाना है, किस चीज की तैयारी करनी है और कौन-सा काम कब पूरा होगा। हो सकता है कि आप बाहर से सब संभाल रही हों, लेकिन भीतर से परेशान हों। यह भी संभव है कि धीरे-धीरे आपके मन में त्योहार को लेकर उत्साह भी कम होने लगे।इसलिए अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं। खुद से पूछें कि आपको सबसे ज्यादा परेशानी किस बात से है। जैसेकि- काम की अधिकता से पति के सहयोग न करने से अपनी मेहनत को महत्व न मिलने से? जब आपको अपनी परेशानी साफ समझ आएगी, तब उसे दूसरों के सामने रखना आसान होगा। पति से इस बारे में बात कैसे करें? अगर आपके पति कहते हैं कि घर के काम महिलाओं की जिम्मेदारी हैं, तो यह केवल काम के बंटवारे का मामला नहीं है। यह घर और रिश्ते को देखने के उनके नजरिए से भी जुड़ा है। हो सकता है कि उन्होंने अपने परिवार में हमेशा महिलाओं को ही घर संभालते देखा हो। ऐसे में उन्हें यह व्यवस्था सामान्य लगती हो। लेकिन किसी व्यवस्था का पुराना होना उसे उचित नहीं बना देता। उनसे बहस करने के बजाय किसी शांत समय पर बात करें। बातचीत की शुरुआत आरोप से न करें। यह न कहें कि आप कभी मेरी मदद नहीं करते। इसके बजाय अपनी परेशानी बताएं। आप कह सकती हैं-'मुझे करवा चौथ मनाना अच्छा लगता है। मैं चाहती हूं कि हम इसे खुशी से मनाएं। लेकिन ऑफिस के साथ सारी तैयारी अकेले करना मेरे लिए मुश्किल है। मुझे तुम्हारे सहयोग की जरूरत है।' इस तरह आप उन्हें दोषी ठहराने के बजाय अपनी जरूरत बता रही हैं। ध्यान रखें कि बातचीत का उद्देश्य पति को हराना नहीं है। उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें आप दोनों की जरूरतों और मेहनत को महत्व मिले।

नसीरुद्दीन सरकार पर फिर भड़के,बोले- मैं फख्र से कहता हूं, दिमागी नक्सल हूं, एक्टर ने फिर अपशब्द कहे

मुंबई। एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने कहा कि वो फख्र से कहते



हैं कि वो दिमागी नक्सल हैं। नसीरुद्दीन शाह ने मंगलवार को अपने फेसबुक अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो कहते हैं, 'मैं फख्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं। दिमागी नक्सल के अलावा मालूम नहीं क्या-क्या लकब (उपनाम) दिए हैं चौकीदार ने मुझ जैसे लोगों को, एंटी-नेशनल, टुकड़े-टुकड़े गैंग और मालूम नहीं क्या-क्या।' उन्होंने आगे कहा, 'टुकड़े-टुकड़े गैंग अगर इस मुल्क में कोई है, तो वो ये नाजायज हुकूमत है और मैं इस हुकूमत से एक सवाल पूछना चाहता हूं। और क्या-क्या करोगे तुम? हमारे मुल्क के नौजवानों की हिम्मत को तोड़ने के लिए, शिक्षा संस्थानों को बर्बाद करने के लिए और हमारे लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए, कितना करोगे? तुम और तुमने अपने इर्द-गिर्द जो बेवकूफ, बेईमानों की पलटन इकट्ठी की है, कहां तक जाओगे?' उन्होंने यह भी कहा कि पहले जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, फिर सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट और अब जामिया मिलिया इस्लामिया में छात्रों पर जो जुल्म किया जा रहा है, वो याद रखा जाएगा। सब याद रखा जाएगा। शाह बोले- युवाओं का हौसला कभी नहीं टूटेगाः-नसीरुद्दीन शाह ने अपने वीडियो में मीडिया और बीजेपी आईटी सेल के लिए अपशब्दों का भी प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद देश के युवाओं का हौसला नहीं टूटेगा, शिक्षा संस्थान बर्बाद नहीं होंगे और लोकतंत्र खतरे में नहीं पड़ेगा। वीडियो के आखिर में उन्होंने देश के युवाओं को सलाम किया और कहा कि उनकी दुआएं उनके साथ हैं। बीजेपी के लिए अपशब्द कहे थेः झूठी पार्टी बताया थाः-इससे पहले नसीरुद्दीन शाह ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था। अभिनेता ने आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल चुनाव में जीत के बाद बीजेपी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जो उसकी विचारधारा और नीतियों से सहमत नहीं हैं। उन्होंने सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट के छात्रों का मुद्दा भी उठाया। शाह ने वीडियो में कहा था कि संस्थान के छात्र प्रशासन से जवाब मांग रहे थे। इसके बदले उन्हें कारण बताओ नोटिस दिए गए, निगरानी में रखा गया और धमकियां दी गईं। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को हॉस्टल खाली करने के लिए कहा गया है। अभिनेता ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वह अपने पक्ष में प्रचार को बढ़ावा दे रही है और असहमत लोगों को डराने या उनकी सोच बदलने की कोशिश कर रही है।

क्या आप तेज खुशबू के लिए ऑइल यूज करती हैं तो न करें ये 10 गलतियां,जानें सही इस्तेमाल और 10 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर एसेंशियल ऑयल्स के इस्तेमाल से जुड़े वीडियो वायरल होते रहते हैं। कोई इन्हें



बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करने की सलाह देता है, तो कोई त्वचा को चमकदार बनाने और तनाव कम करने के लिए। इन वीडियो और घरेलू नुस्खों को देखकर कई लोग एसेंशियल ऑयल्स का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। नेचुरल चीजों से बने होने के कारण लोग इन्हें पूरी तरह सुरक्षित मान लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका गलत तरीके से इस्तेमाल फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है? दरअसल, एसेंशियल ऑयल्स बहुत ज्यादा गाढ़े और कंसंट्रेटेड होते हैं। इन्हें सीधे स्किन पर लगाने, जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने या बिना सही जानकारी के उपयोग करने से स्किन में जलन, एलर्जी, सिरदर्द और दूसरी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में एसेंशियल ऑयल्स खरीदने से लेकर इस्तेमाल करने और स्टोर करने तक कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। एसेंशियल ऑयल का इस्तेमालः-अरोमा थेरेपी रिलैक्सेशन के लिए। मसाज- बॉडी मसाज के लिए। 'कॉस्मेटिक्स फेशियल मसाज के लिए। नहाने में खुशबू के लिए। रूम फ्रेशनर कमरे में खुशबू के लिए। हेयर केयर बालों की देखभाल में। सवाल- सबसे पॉपुलर एसेंशियल ऑयल कौन-से हैं? जवाब- बाजार में कई तरह के एसेंशियल ऑयल्स मिलते हैं। इनमें कुछ तेल अपनी खुशबू और अलग-अलग इस्तेमाल के कारण काफी लोकप्रिय हैं, जैसेकि- लैवेंडर ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, टी ट्री ऑयल, यूकेलिप्टस ऑयल, लेमनग्रास ऑयल, रोजमेरी ऑयल, फ्रैंकिंसेंस ऑयल, जैस्मिन ऑयल, कैमोमाइल ऑयल सवाल- इनमें से कौन-सा एसेंशियल ऑयल किस काम आता है? जवाब- अलग-अलग एसेंशियल ऑयल्स का इस्तेमाल उनकी खुशबू और गुणों के आधार पर अलग-अलग कामों के लिए किया जाता है, जैसेकि- लैवेंडर ऑयल- रिलैक्सेशन और तनाव कम करने के लिए। पेपरमिंट ऑयल- ताजगी और ठंडक के एहसास के लिए। टी ट्री ऑयल- स्किन केयर के लिए। लेमनग्रास ऑयल- खुशबू और अरोमाथेरेपी के लिए। रोजमेरी ऑयल- हेयर और स्किन केयर के प्रोडक्ट्स में। फ्रैंकिंसेंस ऑयल- अरोमाथेरेपी और स्किन केयर के प्रोडक्ट्स में। जैस्मिन ऑयल- खुशबू और अरोमाथेरेपी के लिए। कैमोमाइल ऑयल- रिलैक्सेशन और अरोमाथेरेपी के लिए। सवाल- एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल में लोग क्या कॉमन गलतियां करते हैं? जवाब- इस दौरान लोग कई छोटी-छोटी गलतियां करते हैं, जो त्वचा में जलन, एलर्जी और दूसरी परेशानियों की वजह बन सकती हैं। एसेंशियल ऑयल से जुड़ी कॉमन गलतियांः- गलत तरीके से स्टोर करना। सीधे स्किन पर लगाना। एक्सपायर्ड ऑयल यूज करना। सेंसिटिव जगहों पर लगाना। ज्यादा मात्रा में यूज करना। एसेंशियल ऑयल पीना। लंबे समय तक डिफ्यूजर में डालना। छोटे बच्चों के लिए यूज करना। कई एसेंशियल ऑयल मिक्स करना। फोटोटॉक्सिक सिट्रस ऑयल लगाकर धूप में जाना। गलती 1ः सीधे स्किन पर लगाना क्यों गलत है? एसेंशियल ऑयल बहुत कंसंट्रेटेड होते हैं, सीधे लगाने से जलन या एलर्जी हो सकती है। सेंसिटिव स्किन पर रेडनेस, खुजली या रैश की समस्या हो सकती है। क्या करें? इसे कैरियर ऑयल में उचित मात्रा में मिलाकर लगाएं। पहली बार इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट करें। गलती 2ः सेंसिटिव जगहों पर लगाना-क्यों गलत है? आंख, होंठ, नाक के अंदर या प्राइवेट पार्ट्स पर लगाने से तेज जलन हो सकती है। यहां की स्किन ज्यादा सेंसिटिव होती है, इसलिए रिएक्शन का रिस्क होता है। क्या करें? संवेदनशील जगहों पर एसेंशियल ऑयल न लगाएं। गलती से आंख में चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोएं। गलती 3ः ज्यादा मात्रा में यूज करना-क्यों गलत है? इससे स्किन इरिटेशन और एलर्जी का रिस्क होता है। तेज खुशबू से सिरदर्द या बेचैनी भी हो सकती है। क्या करें? हमेशा सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। लेबल पर दिए डाइल्यूशन (पतला करने की प्रक्रिया) निर्देशों का पालन करें। गलती 4ः एसेंशियल ऑयल पीना क्यों गलत है? एसेंशियल ऑयल आमतौर पर पीने के लिए नहीं होता है।

इससे मुंह, पेट या शरीर के दूसरे हिस्सों पर गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। क्या करें? इसे कभी-भी पीने की गलती न करें। बच्चों की पहुंच से हमेशा दूर रखें। गलती 5ः छोटे बच्चों के लिए यूज करना क्यों गलत है? बच्चों और शिशुओं की स्किन ज्यादा सेंसिटिव होती है। कुछ एसेंशियल ऑयल बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। क्या करें? बिना डॉक्टर की सलाह के इस्तेमाल न करें। गलती 6ः लंबे समय तक डिफ्यूजर में यूज करना क्यों गलत है? लंबे समय तक डिफ्यूज करने से सिरदर्द या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सेंसिटिव लोगों में एलर्जी या इरिटेशन हो सकता है। क्या करें? डिफ्यूजर को सीमित समय के लिए चलाएं। कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन रखें। गलती 7ः कई एसेंशियल ऑयल मिक्स करना क्यों गलत है? कई ऑयल मिलाने से कुल कंसंट्रेशन ज्यादा हो सकता है। इससे स्किन रिएक्शन, एलर्जी हो सकती है। क्या करें? बिना जानकारी के कई ऑयल को एक साथ मिक्स न करें। ब्लेंड बनाते समय हर ऑयल की सुरक्षित मात्रा का ध्यान रखें। गलती 8ः एक्सपायर्ड ऑयल यूज करना क्यों गलत है? समय के साथ ऑयल ऑक्सीडाइज होकर अपनी क्वालिटी खो देता है। ऐसे ऑयल से स्किन पर इरिटेशन का रिस्क होता है। क्या करें? एक्सपायरी डेट के बाद ऑयल इस्तेमाल न करें। रंग, गंध या टेक्सचर बदलने पर भी इसे इस्तेमाल न करें। गलती 9ः गलत तरीके से स्टोर करना क्यों गलत है? ढक्कन खुला रखने से हवा के संपर्क में आकर ऑयल ऑक्सीडाइज हो सकता है। गर्मी और तेज रोशनी से ऑयल जल्दी खराब हो सकता है। क्या करें? इसे ठंडी, सूखी और ठंडी जगह पर रखें। इस्तेमाल के बाद बोतल का ढक्कन अच्छी तरह बंद करें। गलती 10ः फोटोसेंसिटिव सिट्रस ऑयल लगाना क्यों गलत है? कुछ सिट्रस ऑयल लगाने के बाद धूप में स्किन ज्यादा सेंसिटिव हो जाती है। इससे रेडनेस, जलन या सनबर्न का रिस्क बढ़ता है। क्या करें? इस्तेमाल से पहले लेबल पर फोटोसेंसिटिविटी की चेतावनी देखें। ऐसे ऑयल लगाने के बाद धूप में जाने से बचें। एसेंशियल ऑयल नेचुरल होते हैं। ये पूरी तरह सेफ भी हैं, लेकिन याद रखें कि ये सरसों या नारियल का तेल नहीं हैं कि ज्यादा भी लगा लिया तो कोई नुकसान नहीं। ये बहुत कंडेंस होते हैं। इसलिए संभलकर ही यूज करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है? जवाब- एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल से पहले लेबल पर दिए निर्देशों का पालन करना जरूरी है। एसेंशियल ऑयल यूज के 10 टिप्सः- सीधे कंडेंस फॉर्म में यूज न करें। पानी या दूसरे ऑयल में मिलाएं। लगाने से पहले पैच टेस्ट करें। दिए गए निर्देशों का पालन करें। कमरे में वेंटिलेशन का ध्यान रखें। यूज के बाद अच्छी तरह बंद करें। बच्चों की पहुंच से दूर रखें। सेंसिटिव हिस्सों पर न लगाएं। बोतल को ठंडी, सूखी जगह रखें। रिएक्शन हो तो यूज बंद करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान सिर्फ खुशबू या कीमत देखने की बजाय क्वालिटी, लेबल और इस्तेमाल की जानकारी जरूर पढ़ें-ऑयल खरीदने के 7 टिप्सः- एसेंशियल खुली बोतल वाला न खरीदें। इंग्रीडिएंट्स लिस्ट देखें। एक्सपायरी डेट देखें। कंपनी डिटेल्स चेक करें। पैकिंग सील चेक करें। बहुत सस्ता ऑयल न लें। नोटः खरीदने के बाद बोतल खोलने पर अगर आपको स्मेल अजीब लग रही है तो उस ऑयल को या तो रिटर्न कर दें या फेंक दें। यूज न करें। सवाल- एसेंशियल ऑयल का पैच टेस्ट कैसे करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पहले एसेंशियल ऑयल को निर्देश के अनुसार डाइल्यूट करें। इसे हाथ में थोड़ी मात्रा में लगाकर 24 घंटे तक देखें। रेडनेस, खुजली या जलन न हो तो इस्तेमाल कर सकते हैं। सवाल- किन लोगों को एसेंशियल ऑयल यूज करते हुए ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- कुछ लोगों को एसेंशियल ऑयल के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए, जैसेकि- जिनकी स्किन सेंसिटिव है। जिन्हें एलर्जी की समस्या है। जिन्हें अस्थमा या सांस की समस्या है। जिनकी रेगुलर दवा चल रही है। जिन्हें गंभीर हेल्थ कंडीशन है। (जैसे किडनी डिजीज, हार्ट डिजीज) प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं। सवाल- कौन-से संकेत दिखें तो एसेंशियल ऑयल का यूज बंद कर देना चाहिए? जवाब- एसेंशियल ऑयल यूज करने के बाद शरीर में कोई असामान्य प्रतिक्रिया दिखे तो इसका इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें, जैसेकि- स्किन पर रेडनेस, रैशेज खुजली, जलन सूजन, दर्द सिरदर्द, चक्कर सांस लेने में परेशानी सवाल- एसेंशियल ऑयल से एलर्जी या स्किन रिएक्शन हो तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल बंद करें। प्रभावित हिस्से को साबुन-पानी से धोएं। खुजली या जलन वाली जगह रगड़ें नहीं। लक्षण बढ़ें तो डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल- अगर एसेंशियल ऑयल आंखों में चला जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखें- कॉन्टैक्ट लेंस पहने हों तो तुरंत निकालें। 15-20 मिनट तक साफ पानी से आंख धोएं। आंख को बिल्कुल भी रगड़ें नहीं। दर्द, रेडनेस या धुंधलापन हो तो डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल- अगर बच्चा गलती से एसेंशियल ऑयल पी ले तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत ये कदम उठाएं- उल्टी कराने की कोशिश न करें। बच्चे को तुरंत कुल्ला कराएं। ऑयल की बोतल संभालकर रखें, ताकि डॉक्टर को उसकी डिटेल दे सकें। तुरंत डॉक्टर या नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें।



इरफान खान ने कहा था- यहां मत घूमो, मुंबई जाओ,नवाजुद्दीन ने सुनाया छेड़ने वाला किस्सा

मुंबई। टीवी शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा का किरदार



निभा रहीं अभिनेत्री करुणा पांडे का अभिनय सफर थिएटर से फिल्मों और टीवी तक पहुंचा है। करीब साढ़े चार साल से चल रहे शो में पुष्पा को 28 साल बाद अपने उस बेटे के जिंदा होने का पता चला है, जिसे वह मृत समझती थी। दैनिक भास्कर से बातचीत में करुणा ने शो की कहानी, इरफान खान की सलाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ पुरानी यादों, मुंबई में शुरुआती संघर्ष और राजश्री प्रोडक्शन के साथ काम करने के अनुभव साझा किए। सवालः 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की जिंदगी में आए इस नए मोड़ को आप कैसे देखती हैं? जवाबः 28 साल बाद पुष्पा को पता चलता है कि जिस बेटे को वह भूकंप के दौरान अस्पताल के इनक्यूबेटर में मरा हुआ समझती थी, वह जिंदा है। दूसरी ओर, बेटा सोचता है कि उसकी मां ने कभी उसे जानने या अपनाने की कोशिश नहीं की। दोनों के बीच गलतफहमी है, जिसे दूर करना चुनौतीपूर्ण है। सवालः शो की सफलता का श्रेय किसे देंगी?जवाबः इसका श्रेय किस्मत, प्रोड्यूसर जेडी मजेठिया, डायरेक्टर प्रदीप यादव, सोनी सब, राइटर्स, पूरी कास्ट और क्रू को जाता है। सभी ने मिलकर शो को यहां तक पहुंचाया है।सवालः एक्टिंग की दुनिया में आने का सफर कैसे शुरू हुआ? जवाबः मेरे पिता आर्मी में थे, इसलिए हर दो साल में उनकी पोस्टिंग बदलती थी। बचपन से डांस का शौक था। चेन्नई में भरतनाट्यम सीखा। ग्रेजुएशन के दौरान चंडीगढ़ में डांस सिखाती थी। मेरी बहन ने थिएटर में मास्टर्स करने की सलाह दी। मैंने चंडीगढ़ में एक्टिंग की पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली के श्रीराम सेंटर की रेपर्टरी में एक साल और एनएसडी की रेपर्टरी में एक साल काम किया। 2005 में मुंबई आ गई। मेरे माता-पिता और बहन ने हमेशा मेरा साथ दिया। पिता ने डांस की प्रैक्टिस के लिए मुझे अलग कमरा तक दिया था।



सवालः इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबः अमित कुमार की शॉर्ट फिल्म 'द बायपास' में मेरा छोटा-सा रोल था। इसी फिल्म में इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने का मौका मिला। शूटिंग रेगिस्तान में हुई थी। हम रेत पर कपड़ा बिछाकर बैठते थे। उनके साथ मुझे सुरक्षित महसूस होता था। हालांकि, उस समय हमारी क्या बातचीत हुई थी, यह मुझे याद नहीं है। बाद में 'मोटिचूर चकनाचूर' के दौरान नवाज ने बताया कि 'द बायपास' के सेट पर इरफान मुझे छेड़ा करते थे। मैं तब बच्चों जैसी थी और मुझे याद नहीं कि वह क्या कहते थे। शायद पानी या किसी और चीज को लेकर कुछ कहते थे। मैं तब भी बच्चों जैसी थी और आज भी हूं। इतने साल बाद भी मुझे वैसा देखकर नवाज ने पूछा था कि मैं अब तक वैसी ही कैसे हूं। सवालः इरफान खान ने आपको मुंबई आने की सलाह कब दी थी? जवाबः जब मैं एनएसडी रिपर्टरी में थी, तब इरफान भाई वहां आए थे। मैंने उन्हें अपना पोर्टफोलियो दिखाया। उन्होंने कहा, 'यहां क्या घूम रही हो, इसको लेकर बंबई जाओ।' उनकी बात मेरे मन में रह गई। 2005 में रिपर्टरी का काम पूरा होने के बाद मुंबई आने का फैसला कर लिया। मैं उनकी आभारी हूं। सवालः 'मोटिचूर चकनाचूर' में काम कैसे मिला? जवाबः फिल्म की कास्टिंग लगभग पूरी हो चुकी थी। आखिरी दौर में ऑडिशन के बाद मेरा और नवनी परिहार का चयन हुआ। बुंदेलखंडी लहजे की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन मैं जल्दी एक्सेंट पकड़ लेती हूं। भोपाल में नवाज के साथ दोबारा काम करने का मौका मिला। सवालः मुंबई आने के बाद पहली फिल्म कैसे मिली? जवाबः मुंबई पहुंचने के अगले ही दिन मैंने राम गोपाल वर्मा की प्रोडक्शन फिल्म 'जेम्स' के लिए ऑडिशन दिया। फिल्म का डायरेक्शन रोहित जुगरा?ज ने किया था। कुछ ही दिनों में शूटिंग शुरू हो गई। मेरा रोल छोटा था, लेकिन मैंने बाइक के स्टंट खुद किए। उस समय मेरे पिता को कैंसर था, इसलिए काम मिलना मेरे लिए बहुत अहम था। सवालः राजश्री प्रोडक्शन के साथ आपका सफर कैसा रहा? जवाबः टीवी पर मेरी शुरुआत 'वो रहने वाली महलों की' से हुई। इसके बाद 'यहां मैं घर घर खेली', 'झिलमिल सितारों का आंगन होगा' और 'मेरे रंग में रंगने वाली' जैसे शो किए। फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम किया। 'भागे रे मन' में लीड रोल निभाया और 'देवांशी' में निगेटिव रोल किया। सवालः जिंदगी और काम को लेकर आपका नजरिया क्या है? जवाबः मैं भौतिक चीजों के पीछे नहीं भागती। मुझे लगता है कि जिंदगी अस्थायी है। मुझे अपना काम बहुत पसंद है, लेकिन हर चीज हासिल करने की बेचैनी नहीं है। मैं आज भी अपने अंदर के बच्चे को जिंदा रखती हूं और जिंदगी को सहजता से जीने की कोशिश करती हूं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।